पटना ● शनिवार, 07 दिसंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः322 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

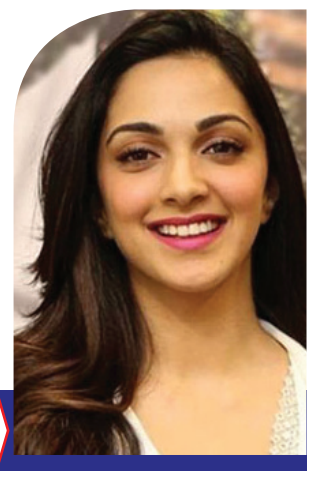

उपेंद्र कुशवाहा ने विपक्ष पर किया ... 3 www. bordernewsmirror.com भूल भूलैया 4 में होगी अक्षय... 7

सरकार बनते ही मराठा आरक्षण पर फिर मिला अल्टीमेटम

मनोज जारांगे ने दी चेतावनी, 5 जनवरी तक की दी तारीख

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के आजाद मैदान में भव्य तरीके से महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न होने के एक दिन बाद ही मराठा आरक्षण का मुद्दा गरमाने लगा है। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे पाटिल ने नई सरकार को सीधी चेतावनी देते हुए एक महीने का अल्टीमेटम दिया है। मनोज जारांगे ने राज्य सरकार से 5 जनवरी तक मराठा आरक्षण का मुद्दा सुलझाने को कहा है। जारांगे ने कहा कि वह महायुति सरकार के गठन के लिए

शुभकामनाएं देते हैं लेकिन अब लोगों की समस्याओं का समाधान करना जरूरी है। मनोज जारांगे ने कहा, अगर सरकार 5 जनवरी तक मराठा समुदाय की सभी मांगें पूरी नहीं करती है तो मराठा फिर से आंदोलन में खड़े होंगे और सरकार की नाक में दम कर देंगे।

अडानी के बहाने घेर रही थी कांग्रेस, बीजेपी ने निकाला तोड़

जार्च सोरोस का नाम लेकर राहुल गांधी को बता दिया गद्दार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी समूह से जुड़े विवाद पर कांग्रेस के लगातार विरोध के बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जवाबी हमला करते हुए ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट की रिपोर्ट्स को कांग्रेस के खिलाफ हथियार बना लिया है। बीजेपी ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें गद्दार और राष्ट्र-विरोधी करार दिया है। यह हमला विपक्ष के नए नेता पर अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। बीजेपी का दावा है कि

ओसीसीआरपी जैसे गुप्त अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भारत को निशाना बना रहे हैं और उनकी रिपोर्ट्स कांग्रेस के एजेंडे को बल देती हैं। बीजेपी ने संसद में ओसीसीआरपी रिपोर्ट का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन इन रिपोर्ट्स का इस्तेमाल कर भारत की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी का कहना है कि ओसीसीआरपी की रिपोर्ट्स बेबुनियाद और सनसनीखेज है।

संसद में सिंघवी की सीट से मिला 50 हजार कैश

सभापति धनखड़ ने बताया तो खड़गे बोले-नाम लेना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में 500 रुपए का बंडल (50 हजार रुपए) मिलने पर शुक्रवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सीट से नोटों की गड्डी मिली थी। भाजपा ने जांच की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे ने कहा- जांच से पहले किसी का नाम लेना ठीक नहीं है। धनखड़ ने कहा कि गुरुवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि सीट नंबर 222 से कैश मिला है। यह सीट तेलंगाना से सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को अलॉट की गई है। इस मामले में नियमों के मुताबिक जांच होनी चाहिए और यह हो भी रही है। धनखड़ के बयान पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और घटना की प्रामाणिकता स्थापित नहीं होती, तब तक किसी सदस्य का नाम नहीं लिया जाना चाहिए। ऐसा चिल्लर काम करके ही देश को बदनाम किया जा रहा है। किरेन रिजिजू बोले- क्या सदन में नोट का बंडल लाना उचित है।

और बढ़ जाएगी भारतीय नौसेना की ताकत

रूस में बना वॉरशिप तुशील 9 दिसंबर को होगा नेवी में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन नेवी के लिए तलवार क्लास के तीसरे बैच का पहला वॉरशिप तुशील रूस में बनकर तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 दिसंबर को रूस में एक कार्यक्रम में तुशील को इंडियन नेवी में शामिल करेंगे। इससे पहले रूस में तुशील के सारे टेस्ट भी पूरे कर लिए गए हैं। कमीशनिंग के बाद, आईएनएस तुशील भारतीय नौसेना की पश्चिमी बेड़े यानी वेस्टर्न फ्लीट के 'स्वॉर्ड आर्म' में शामिल होगा, जो वेस्टर्न कमांड के तहत आता है। इंडियन नेवी की एक टीम भी रूस गई थी जिसने वॉरशिप का अंतिम ट्रायल लिया। तुशील सभी टेस्ट पर खरा उतरा है। तुशील एक फ्रिगेट है और इसमें ब्रह्मोस मिसाइल लगी हैं। यह 3600 टन से ज्यादा वजन का है। इसमें 180 नौसैनिक यात्रा कर सकते हैं। इसकी स्पीड 30 नॉटिकल माइल प्रति घंटे हैं। इसमें एंटी सबमरीन रॉकेट्स और टॉरपीडो लगाए गए हैं। आईएनएस तुशील तलवार क्लास का फ्रिगेट है।

न आपका लोन महंगा होगा न ही अभी ईएमआई बढ़ेगी

आरबीआई ने रेपो रेट 6.5 फीसदी पर रखा बरकरार

महंगाई बढ़ने की आशंका, घट सकती है इकोनॉमिक ग्रोथ

मुंबई (एजेंसी)। आपके मौजूदा लोन महंगे नहीं होंगे, न ही आपकी ईएमआई बढ़ेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। सेंट्रल बैंक ने लगातार 11वीं बार दरें नहीं बदली हैं। आखिरी बार फरवरी 2023 में ब्याज दर 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी की गई थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। यह मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने महंगाई बढ़ने की आशंका भी जताई है, जिससे इकोनॉमिक ग्रोथ पर निगेटिव असर पड़ सकता है। इसीलिए अगले फाइनेंशियल इयर में जीडीपी ग्रोथ अनुमान 7.2 फीसदी से घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया गया है। आरबीआई ने ब्याज दरों को 6.5 फीसदी पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और मौजूदा लोन की ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी की थीं। कोलेटरल फ्री एग्रीकल्चरल लोन यानी कोई सामान गिरवी रखे बिना कर्ज देने की सीमा 1.6 लाख रुपए प्रति उधारकर्ता से बढ़ाकर 2 लाख रुपए प्रति उधारकर्ता करने का फैसला लिया गया है। एग्रीकल्चरल इनपुट कॉस्ट और ओवरऑल इन्फ्लेशन में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। आखिरी बार इसमें 2019 में बदलाव किया गया था। इस पर क्रेडिट लाइन यानी अकाउंट में पैसा न होने पर भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने की इजाजत दी गई है। बैंकों को अपने पास जमा राशि का एक न्यूनतम प्रतिशत आरबीआई के पास रिजर्व के तौर पर रखना होता है। इसे ही ईएमआई कहा जाता है। इसका इस्तेमाल आरबीआई इकोनॉमी में मनी फ्लो को कंट्रोल करने के लिए करती है।

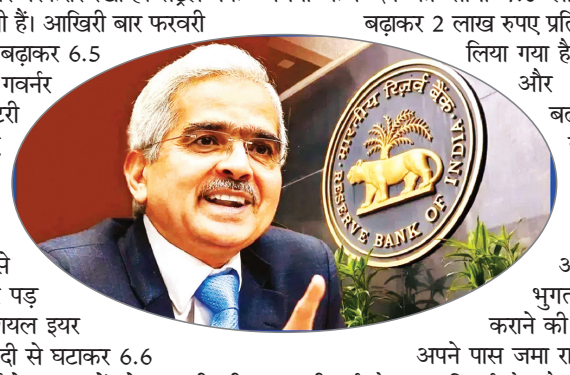

चंद्रयान-4 को लेकर अंतरिक्ष में अब बड़े प्रयोग की तैयारी

इसरो फिर करेगा कमाल, आपस में जुड़ जाएंगे दो स्पेसक्राफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अपने विश्वसनीय ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पर 'स्पैडेक्स' नामक 'स्पेस डॉकिंग' प्रयोग के प्रदर्शन के लिए एक मिशन की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि रॉकेट तैयार हो रहा है और बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिक इस महीने के अंत में इसके प्रक्षेपण की उम्मीद कर रहे हैं। यह प्रयोग चंद्रमा-4 प्रोजेक्ट में भी मददगार साबित होगा। अंतरिक्ष विभाग के सचिव सोमनाथ ने दिन में 'पीएसएलवी-सी59/प्रोबास-3' मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस मिशन (पीएसएलवी-सी59-प्रोबास-3 मिशन) के समान ही दिसंबर में पीएसएलवी-सी60 का प्रक्षेपण होने वाला है। उन्होंने कहा, 'यह (पीएसएलवी-सी60 मिशन) 'स्पेस डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करेगा, जिसे 'स्पैडेक्स' नाम दिया गया है। रॉकेट अभी तैयार किया जा रहा है और हम प्रक्षेपण से संबंधित अंतिम चरण की गतिविधियों की तैयारी कर रहे हैं, जो

संभवतः दिसंबर में ही पूरी हो सकती हैं।' 'स्पेस डॉकिंग' तकनीक का तात्पर्य अंतरिक्ष में दो अंतरिक्ष यानों को जोड़ने की तकनीक से है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसकी सहायता से मानव को एक अंतरिक्ष यान से दूसरे अंतरिक्ष यान में भेज पाना संभव होता।

यूपी के लिए 'ब्लैक फ्राइडे'

छह घंटे में तीन हादसे, 20 लोगों की मौत

पीलीभीत, चित्रकूट के बाद कन्नौज में हुआ भीषण सड़क हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में शुक्रवार का दिन हादसों वाला दिन हो गया है। छह घंटे के अंदर यहां तीसरा बड़ा हादसा हुआ है। पहले पीलीभीत, फिर

चित्रकूट के बाद कन्नौज में भीषण हादसा हुआ है। यहां डबल डेकर बस और टैंकर की टक्कर हुई है। हादसे में आठ लोगों की जान गई है। 40 लोग घायल हैं। इनमें 17 लोगों की हालत गंभीर है। हादसे के बाद डबल डेकर बस टक्कर के बाद सड़क किनारे पलट गई है। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुआ है। हादसा सकरावा-सौरिख थाना क्षेत्र के बीच हुआ है। बस लखनऊ से आगरा की तरफ जा रहा थी। जिस पानी के टैंकर से बस टकराई है वह यूपीडा का बताया जा रहा है। तीनों हादसों में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के समय जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह का काफिला भी एक्सप्रेसवे से गुजर रहा था। ऐसे में मंत्री और उनके साथ के लोग भी मदद में जुटे हैं। मंत्री ने ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को फोन कर हादसे की जानकारी दी और तत्काल मदद का निर्देश दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजना शुरू किया। गंभीर रूप से घायल लोगों को सैफई मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। कुछ घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी जैसे ही स्थानीय प्रशासन को लगी, तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ है। बताया जा रहा है कि बस में कुल 40 यात्री सवार थे। हादसे में घायल यात्रियों को सैफई मेडिकल कॉलेज के लिए भेजा गया है। कहा जा रहा है कि बस अनियंत्रित होकर टैंकर से जा टकराई।

बूढ़ी आबादी से चिंतित चीन में अब शुरू होगी 'लव एजुकेशन'

शादी, परिवार के लिए प्रेरित होंगे युवा, 'हम दो हमारा एक' से ड्रैगन का किनारा

बीजिंग (एजेंसी)। एक समय चीन ने नारा दिया था- हम दो हमारा एक। कम बच्चे पैदा करने की इस अपील से चीनी सरकार आबादी का बोझ कम करना चाहती थी। अब चीन की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। ऊपर से चीन के 57 फीसदी युवा शादी नहीं करना चाहते। इसकी वजह है बेरोजगारी और करियर बनाने की मुश्किलें। अब चीन की सरकार ने अपने कॉलेज और यूनिवर्सिटीज से युवाओं के लिए लव एजुकेशन शुरू करने को कहा है, ताकि लोग ज्यादा शादियां करें और ज्यादा बच्चे पैदा हों। अभी चीन की आबादी 141 करोड़ है। हालांकि भारत की आबादी अब चीन से ज्यादा हो गई है, लेकिन भारत में भी 23 फीसदी युवा करियर और पढ़ाई के चलते शादी करने के खिलाफ हैं। चीन में बुजुर्गों की आबादी बढ़ने से सरकारी खर्च बढ़ेंगे, कामकाजी लोग कम होंगे तो अर्थव्यवस्था पर भी दबाव बढ़ेगा। ऐसे में चीन के पास लॉन्गटर्म में एक ही इलाज है- कम उम्र के लोगों की आबादी बढ़ना और इसके लिए चीन को अपनी जन्म दर बढ़ानी होगी। हालांकि इसमें एक बड़ी समस्या है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के युवा शादी और प्रेम को लेकर अनिच्छुक होते जा रहे हैं।

शिंदे की 'तारीफ' के साथ और भी बढ़ा दी चिंता

मंत्रालयों के बंटवारे की फडणवीस ने बताई तारीख

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नए सीएम बने देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वह धैर्य से फैसले लेने वाले नेता हैं और अकसर सोच-समझकर ही कोई निर्णय लेते हैं। इसके अलावा उन्होंने लड़की बहिन योजना शुरू करने का क्रेडिट भी एकनाथ शिंदे को दिया। हालांकि होम मिनिस्ट्री की डिमांड कर रहे एकनाथ शिंदे की उन्होंने इशारों में ही चिंता भी बढ़ा दी। शपथ लेने के बाद दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय तो हमेशा ही हमारे पास रहा है। इस तरह देवेंद्र फडणवीस ने यह संकेत भी एकनाथ शिंदे को दे दिया कि भाजपा होम मिनिस्ट्री पर अपना दावा नहीं छोड़ेगी। बता दें कि एकनाथ शिंदे अब भी होम मिनिस्ट्री के लिए लॉबिंग में जुटे हैं।

मणिपुर के कुकी गुट ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा लेटर

जिरिबाम एनकाउंटर की जांच की मांग

दावा-सीआरपीएफ ने हमारे लोगों की पीठ पर गोली मारी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में कुकी समुदाय के इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखा। इसमें 11 नवंबर को जिरिबाम में सीआरपीएफ संग मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी लोगों की मौत की न्यायिक जांच की मांग की गई है। आईटीएलएफ के अध्यक्ष पैगिन हाओकिप और महासचिव मुआन टॉम्बिंग ने सीआरपीएफ की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। जैरावन गांव में आगजनी और 31 साल की महिला की हत्या का भी जिक्र किया। आईटीएलएफ ने मणिपुर में भारतीय संविधान के तहत कुकी समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन की भी मांग दोहराई।

मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा में अब तक 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी, हजारों लोग बेघर हुए हैं। आईटीएलएफ ने गृह मंत्री को लिखे लेटर में कहा- 7 नवंबर को महिला का शव मिला था, जिसे बेरहमी से जलाया गया था। इस घटना से अधिक चिंता इस बात की है कि सीआरपीएफ ने 10 आदिवासियों को मार डाला, जबकि सीआरपीएफ को एक न्यूट्रल फोर्स के रूप में काम करना था। मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पीछे से मारने की बात सामने आई है।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी ने गला काटकर की थी प्रेमिका की हत्या

कटिहार, एजेंसी। कटिहार में 4 दिसंबर को एक घर में महिला की लाश मिली। उसकी हत्या गला काटकर की गई थी। इस मर्डर केस को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस के मुताबिक महिला की हत्या उसके प्रेमी ने सब्जी काटने वाले चाकू से गला रेतकर की थी। मृतक महिला का नाम लीला कुमारी (42) और पकड़े गए शख्स की पहचान चंदन सिंह(36) के रूप में हुई है। चंदन मंदिर में पुजारी है। घटना बरारी (सेमापुर) थाना इलाके की है। आरोपी का कहना है कि 4 महीने से लीला के साथ मेरे प्रेम प्रसंग चल रहा था। 4 दिसंबर की रात महिला अचानक मेरे घर आ गई। मैंने कई बार लीला को जाने को कहा, लेकिन वो नहीं मानी। मुझे बदनामी का डर सताने लगा। मैंने घर में सब्जी काटने वाले चाकू से लीला का गला रेत दिया और वहां से फरार हो गया। चंदन और लीला दोनों की शादी नहीं हुई थी। वारदात के बाद लीला की मां बिमला देवी ने केस दर्ज कराया। पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान पता चला कि लीला का चंदन के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने रेड कर चंदन को अरेस्ट कर लिया है। उसने अपना जुर्म भी कबूल किया है। हत्या के लिए जिस चाकू का का इस्तेमाल किया गया था, उसे भी बरामद कर लिया गया है।

स्वर्ण कारोबारी से लूट मामले में 6 बदमाश अरेस्ट

किशनगंज में जेवरात सहित 6 मोबाइल फोन जब्त, 4 दिन पहले हुई थी वारदात

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के मुख्य बाजार बिशनपुर में रविवार को एक स्वर्ण कारोबारी के साथ लूट हुआ। इस मामले में पुलिस ने डकैती गिरोह का खुलासा किया है। साथ ही 6 बदमाशों को लूट के समानों के साथ गिरफ्तार किया हैं। एसडीपीओ गौतम कुमार ने गुरुवार की शाम प्रेस वार्ता कर ये जानकारी दी है। लूट के जेवरात, एक मोटरसाइकिल, 6 मोबाइल फोन, एक बैग के साथ 6 बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। रविवार को स्वर्ण कारोबारी कैलाश अग्रवाल के बेटे सन्नी अग्रवाल और उनके स्टाफ अतहर आलम दुकान जा रहे थे। इस दौरान एक काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर 3 अपराधी सवार होकर हथियार लहराते हुए फायरिंग करते हुए आए और लूट की घटना को अंजाम दिया था। एसडीपीओ गौतम कुमार ने बताया कि मामले पर साजिशकर्ता मूंगा लाल साहा है। घटना से 2 दिन पहले सद्दाम और नूरसेद के साथ मिलकर बिशनपुर बाजार स्थित स्वर्ण कारोबारी के दुकान और घर को दिखाया। प्रत्येक दिन ग्राहकों के ऑर्डर वाला जेवरात घर से दुकान जाया करता था। जिसके बाद घटना को अंजाम दिया गया है।

जदयू की बैठक में आगामी विस चुनाव की तैयारी पर चर्चा

गया, एजेंसी। आमस के पथरा मोड़ स्थित कर्पूरी भवन में गुरुवार को जदयू कार्यकर्ताओं की प्रखंड स्तरीय बैठक पूर्व मंत्री डॉ. विनोद प्रसाद यादव की मौजूदगी में हुई। यहां आगामी विस चुनाव की तैयारी पर विशेष रूप में बात की गई। शेरघाटी विस प्रभारी व प्रदेश महासचिव राजीवनयन शर्मा ने पंचायत अध्यक्षों से तैयारियों का जायजा लिया। कहा पार्टी प्रमुख व सीएम नीतीश कुमार ने 2025 में 225 सीट जितने का लक्ष्य रखा है।

पछुआ ने बढ़ाई ठंड,6 जिलों का पारा 8 डिग्री बिहार में 15 दिसंबर के बाद बढ़ेगी कंपकंपी

दिल्ली से ज्यादा पॉल्यूशन पटना में

पटना, एजेंसी। बिहार में पछुआ हवा चलने से ठंड बढ़ने लगी है। गुरुवार को इस सीजन का सबसे कम न्यूनतम तापमान बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल में 8-10 डिग्री दर्ज किया गया। बाकी जिलों में न्यूनतम तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य के उत्तरी भागों में कुहासा छाया रहा। आने वाले दिनों में कुहासा और बढ़ेगा। राज्य में सबसे अधिक तापमान औरंगाबाद में 29.6 डिग्री और सबसे कम डेहरी में 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 20 दिसंबर से कड़ाके की ठंड महसूस होगी। 15 दिसंबर से 15 जनवरी तक प्रदेश में हाड़ कंपाने वाली ठंड महसूस की जाएगी।

ठंड बढ़ने से रबी की फसल अच्छी होने की संभावना है। वहीं प्रदूषण के मामले में पटना दिल्ली से भी आगे निकल गया है। पटना का एक्यूआई दिल्ली से ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया कि एक सप्ताह बाद प्रदेश में घना कोहरा छाने लगेगा। इससे विजिबिलिटी कम होगी, जिसका असर ट्रेन और फ्लाइट पर पड़ेगा।

पटना का एक्यूआई 255

गांधी मैदान इलाके की हवा गुरुवार को सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई लेवल 357 दर्ज किया गया। यह इलाका रेड जोन में आ गया है। पटना का औसत एक्यूआई लेवल 255 दर्ज किया गया। जबकि, दिल्ली का एक्यूआई लेवल 170 ही रहा।

ठंड बढ़ने से रबी की फसल होती है अच्छी

बिहार में अगर ठंड अच्छी पड़ेगी तो फसल भी अच्छे होंगे। कृषि वैज्ञानिक एसपी सिन्हा ने बताया कि राज्य में ठंड बढ़ने की संभावना है। ठंड ज्यादा पड़ेगी तो रबी की फसल अच्छी होगी। रबी की फसल में चना, मसूर, मक्का की खेती अच्छी होगी। तेलहन फसलों का भी अच्छा उत्पादन होगा।

आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने से प्रदूषण में भी होगा इजाफा

प्रदेश में आने वाली दिनों में ठंड में इजाफा देखने को मिलेगा। इसके साथ ही प्रदूषण लेवल भी बढ़ेगा। कई शहरों का एक्यूआई 300 पार पहुंच गया है। इस बीच प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार भी एक्शन मोड में नजर आ रही है। कुछ दिन पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने समीक्षा बैठक की और प्रदूषण फैलाने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है।।

सांस की बीमारी वाले लोग रहे सतर्क

डॉक्टर राणा एसपी सिंह ने कहा कि लोग मास्क लगाकर ही बाहर निकले। साथ ही वायु प्रदूषण के स्तर ज्यादा बढ़ने से लोगों को आंख में भी जलन होती है। लोगों को जब भी ऐसा अनुभव हो तो पानी से आंख को धोएं। किसी भी तरह की परेशानी होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

इस बार अब तक ठंड नहीं पड़ने के कारण को समझिए

मौसम विभाग के अनुसार, मजबूत पश्चिमी विक्षोभ नहीं बनने से ठंड नहीं पड़ रही है। मजबूत पश्चिमी विक्षोभ की स्थिति बनने के बाद कड़ाके की ठंड शुरू होगी। पिछले साल 2023 में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी, 15 दिसंबर के बाद से ही ठंड में बढ़ोतरी हुई थी। पश्चिमी विक्षोभ आता है तो पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होती है। वहां से ठंडी पश्चिमी हवा आती है तो प्रदेश में ठंड बढ़ जाती है। इस बार पश्चिमी विक्षोभ कमजोर रहने से बर्फबारी कम हो रही है।

मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया कि ठंड की साइकिल होती है। दिसंबर और जनवरी ठंड का महीना मानता है। इस दो महीने में कड़ाके की ठंड पड़ती है। अगर दिसंबर या जनवरी में बारिश होती है तो कोहरा छट जाता है। ठंड का वेब जनवरी में दो बार और फरवरी में दो बार आता है। अमूमन 15 दिनों की साइकिल होती है।

चुनाव से पहले बड़ी योजनाओं का कर सकते हैं ऐलान

जीत की गारंटी बन चुकी स्कीम पर नीतीश का फोकस : महिलाओं से संवाद कर फीडबैक लेंगे

पटना, एजेंसी। सीएम नीतीश कुमार 15 से 20 दिसंबर के बीच यात्रा पर निकल रहे हैं। इस यात्रा पर 225 करोड़ खर्च होंगे। यात्रा की शुरुआत पश्चिम चंपारण से करेंगे और इस दौरान महिलाओं से संवाद करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि नीतीश कुमार फिर महिलाओं के लिए कुछ करने वाले हैं। शराबबंदी का फैसला भी उन्होंने महिलाओं की सलाह पर ही लिया था। हाल के दिनों में महाराष्ट्र, हरियाणा, ओडिशा, मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव से बीजेपी ने महिलाओं के लिए 'लाडली बहना' जैसी कैश स्कीम्स लाई और इन राज्यों में जीत का अचूक फॉर्मूला साबित हुई है। वहीं, झारखंड में भी हेमंत सोरेन की जीत के पीछे मंईयां सम्मान योजना का अहम रोल माना जा रहा है।

अब बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा को भी इसी फॉर्मूले से जोड़कर देखा जा रहा है। माना

जा रहा है कि यात्रा के बाद नीतीश कुमार महिलाओं को लेकर कोई बड़ी योजना का ऐलान कर सकते हैं। बिहार में आधी आबादी सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाती हैं। आंकड़े बताते हैं कि जब-जब महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर वोटिंग की है, सत्ता नीतीश के पास ही रही है।

पूर्णिया में दो बाइक में टक्कर, 2 की मौत

शादी का सामान लाने घर से निकला था युवक, एनएच-31 पर हुआ हादसा

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में गुरुवार रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यहां दो बाइक की जबरदस्त टक्कर हुई। हादसा इतना जबरदस्त था कि न सिर्फ बाइक के परखच्चे उड़ गए, बल्कि दोनों बाइक पर सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मरंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत नया टोला गंगेली एनएच 31 नेशनल हाईवे पर हुई। इधर घटना की सूचना जैसे ही मृतकों के परिजनों तक पहुंची चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर पहुंची मरंगा थाना की पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर दोनों लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया है। हादसे में जान गंवाने वाले बाइक सवार युवकों की पहचान हरदा पंचायत के फरियानी चौक निवासी विजय सहनी के बेटे सुंदर कुमार सहनी 24 के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान फुलवरिया निवासी भूषण प्रसाद सिंह के बेटे संजीव कुमार सौरव 42 के रूप में की गई है। वहीं इस हादसे में सोनू नाम का एक किशोर घायल है।

फुलवरिया से पूर्णिया जा रहा था

मृतक के मृतक संजीव कुमार सौरव के चाचा बिमल कुमार सिंह ने बताया कि भतीजा संजीव शादी का सामान लेने अपने घर फुलवरिया से पूर्णिया जा रहा था कि गंगेली पंचायत के नया टोला गंगेली एनएच-31 पर दो बाइक की जबरदस्त टक्कर हो गई। मृतक सुंदर कुमार सहनी डीलक्स बाइक से था जबकि संजीव कुमार सौरव का हीरो होंडा

सुपर स्प्लेंडर चला रहा था। इस भीषण हादसे में न सिर्फ बाइक के परखच्चे उड़ गए, बल्कि दोनों ने मौके पर ही तड़पककर दम तोड़ दिया। हादसे के बाद स्थानीय मौके पर जुटे, पुलिस और परिजनों को घटना की सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया है। हादसे के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

सदर अस्पताल के चादर से लिपटी मिली लाशें, डीएस के आदेश पर कर्मियों ने पेशेंट को लावारिस छोड़ा

2 मरीजों को हॉस्पिटल से 20 किमी दूर फेंका, मौत

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड से 2 मरीजों को अस्पताल से 20 किमी दूर पोखराही और टेंगरा नहर के पास फेंका था। एंबुलेंस से ले जाकर स्वास्थ्यकर्मियों ने लाचार छोड़ दिया था। दोनों को 1 किमी के अंतराल पर छोड़ा गया था। स्थिति काफी गंभीर थी, इस कारण दोनों की मौत हो गई। मामला 12 नवंबर का है, उसी दिन पुलिस ने दोनों की लाशों को बरामद किया था। लाश अस्पताल के चादर में लिपटी थी। जांच शुरू हुई तो ग्रामीणों से पुलिस को पता चला कि मरीजों को एंलुलेंस से फेंका गया था। सीसीटीवी की जांच हुई तो मामला सही पाया गया।

पुलिस ने अस्पताल में ईएमटी हरेंद्र और स्ट्रेचर मैन शिवरंजन से पूछताछ की तो उन्होंने कहा कि डीएस ने आदेश दिया था कि दोनों मरीज मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं, वार्ड को गंदा कर रहे। उठाकर बाहर फेंक दो, पर इन दोनों ने मना कर दिया था। जिसके बाद डीएस ने प्रबंधक को ऐसा करने को कहा।

प्रबंधक के कहने पर सुपरवाइजर शैलेश कुमार मिश्रा उर्फ बाबा उर्फ पंडित ने स्ट्रेचर मैन व वह एंबुलेंस चालक शिवरंजन से कहकर दोनों मरीजों को एंबुलेंस में रखवाया और दूर ले जाकर छोड़ दिया। मामले में डीएस व अस्पताल प्रबंधक समेत सात कर्मियों को दोषी पाया गया है। गुरुवार को केस दर्ज कर लिया गया।

अस्पताल प्रबंधक ने पुलिस को रेफर होने की दी जानकारी : पुलिस को पहले विश्वास नहीं था कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों ने ऐसा किया होगा, लेकिन जब जांच शुरू हुई तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस जांच के लिए अस्पताल पहुंची तो अस्पताल प्रबंधन से संपर्क किया। प्रबंधक ने कहा कि दोनों को रेफर किया गया था। जब पुलिस ने कागजात की मांग की तो किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं दिखाए गए। बारुण थाना में पदस्थापित एसआई दीपक कुमार राय के आवेदन पर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. कुमार आशुतोष सिंह, प्रबंधक हेमंत राजन, शैलेश कुमार मिश्रा, एंबुलेंस के ईएमटी हरेंद्र कुमार, चालक शिव शंकर कुमार, स्ट्रेचर मैन सुरंजन कुमार और धर्मपाल को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

डीएम ने जांच के लिए टीम गठित की थी : मामला सामने आने के बाद डीएम श्रीकांत शास्त्री ने जांच के लिए टीम का गठन किया। जिसमें डीडीसी अभ्येन्द्र मोहन सिंह, प्रमुख चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर किशोर कुमार और जिला कल्याण पदाधिकारी सुरेश कुमार को शामिल किया गया। जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर ओके सभी कर्मियों को दोषी पाया गया। बारुण थाना में उक्त सभी कर्मियों के विरुद्ध केस दर्ज कराया गया। थानाध्यक्ष सौरभ कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले में उचित कार्रवाई शुरू कर दी गई है

महिलाओं से 75 हजार रुपए के आभूषण की छिनतई बक्सर में बदमाशों ने 80 हजार रुपए कैश लूटे

बक्सर, एजेंसी। बक्सर में गुरुवार शाम नगर थाना क्षेत्र के गोलंबर पर झांसा देकर महिलाओं से गहने और नगदी लेकर बदमाश भाग गए। घटना टाटा मोटर्स और हुंडई शोरूम के सामने की है।

फिल्मी अंदाज में एक परिवार को निशाना बनाते हुए 75 हजार रुपए के आभूषण और 80 हजार रुपए नगद की लूट हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। पीड़ित राजेश सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ शादी के लिए आभूषण खरीदकर बलिहार गांव लौट रहे थे।

कार में उनके साथ परिवार की दो महिलाएं भी थी। गोलंबर पर पहुंचने पर दो युवक उनकी कार को रोक कर यह कहने लगे कि उनकी गाड़ी से मोबिल गिर रहा है। समस्या का पता लगाने के लिए जैसे ही राजेश सिंह कार से नीचे उतरे, अपराधियों ने मिर्च पाउडर जैसा स्प्रे छिड़क दिया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बाइक सवार युवकों ने महिलाओं के हाथ से आभूषण से भरा बैग और पर्स में रखे 80 हजार रुपए लूट लिए।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुट गई है। बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई गई है। नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि 75 हजार के गहने और नगदी लेकर भागने की सूचना मिली है। पीड़ित परिवार ने बताया कि घर में शादी की तैयारी के लिए बक्सर आए थे। घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है। घटना ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करने की मांग की है।

मुजफ्फरपुर में 469 लोगों पर एफआईआर, नवंबर में 1.30 करोड़ वसूला गया जुर्माना

कनेक्शन बाइपास कर बिजली की चोरी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में स्मार्ट मीटर लगाने के बाद भी बिजली की चोरी रुक नहीं रही है। बिजली चोरी के खिलाफ बिजली विभाग की ओर से अभियान चलाया गया। एक महीने यानी नवंबर माह में 1 करोड़ 30 लाख 43 हजार 941 रुपए का जुर्माना वसूला गया और 469 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसमें जेई की ओर से 445 और सहायक विद्युत अभियंता की ओर से 24 एफआईआर कराई गई है। अधीक्षक अभियंता पंकज कुमार ने बताया कि स्मार्ट मीटर में छेड़छाड़ करना अब संभव नहीं है। इसके बावजूद लोग मेन लाइन में टोका लगाकर बिजली की चोरी कर रहे हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं जो मीटर के पहले तार काटकर अगल से तार जोड़ लेते है। यानी मीटर से पहले कनेक्शन बाइपास कर बिजली चोरी की जाती है। जिले के चारों डिवीजन में कुल 8 लाख 42 हजार 309 उपभोक्ता हैं। 1.35 लाख ग्रामीण क्षेत्र के हैं। इनके यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर नहीं लगे है। 7.07 लाख उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लग चुका है, जिसमें 1.08 लाख उपभोक्ताओं का मीटर बैलेंस माइनस में है।

स्मार्ट मीटर लगाने का उद्धेश्य पूरा नहीं हो रहा : अधीक्षक अभियंता पंकज कुमार ने बताया कि बिजली चोरी को रोकने के लिए स्मार्ट मीटर लगाया गया, लेकिन अब भी बिजली चोरी की जा रही है। उपभोक्ता टोका लगाकर बाइपास कर लेते हैं। इसके खिलाफ अभियान चलाया गया है। बिजली विभाग की ओर से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत घर-घर जांच की जा रही है। इससे पता चलेगा कि कौन-कौन बिजली चोरी कर रहे हैं।

मीटर से बिजली बंद होने का सबसे ज्यादा आंकड़ा पश्चिम डिवीजन से है : अभियंता ने कहा कि मीटर से बिजली बंद होने का सबसे ज्यादा आंकड़ा पश्चिम डिवीजन में है। इसके कई कारण हो सकते हैं। जांच की जा रही है। डिवीजन में उपभोक्ता की संख्या भी अधिक है। पश्चिमी डिवीजन में 2 लाख उपभोक्ता हैं, जिसमें 22 हजार उपभोक्ताओं ने मीटर रिचार्ज नहीं किया।

स्मार्ट मीटर पर राजनीति भी हो रही

दूसरी तरफ स्मार्ट मीटर को लेकर राजनीति भी हो रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा था। कहा था कि ये स्मार्ट मीटर नहीं स्मार्ट चीटर है। हमलोग मिलकर विरोध करेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जनता की लड़ाई हम लड़ेंगे। जब स्मार्ट बिजली मीटर लग रहा था तो हमलोगों ने विरोध नहीं किया, लेकिन अब लोग विरोध कर रहे हैं। आरजेडी जनता की आवाज उठा रहा है। दूसरी तरफ पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी कह चुके हैं कि स्मार्ट मीटर परेशानी बन चुका है।

सदर अस्पताल में तीन दिन में शुरू होगी ऑडियोमेट्री लैब

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सदर अस्पताल में तीन दिन में ऑडियोमेट्री लैब शुरू हो जाएगी। लैब में मरीजों की जांच के लिए ऑडियोलॉजिस्ट की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। डीएम के निर्देश के बाद सदर अस्पताल में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में तैनात एक ऑडियोलॉजिस्ट की प्रतिनियुक्ति की गई है। सदर अस्पताल की ओपीडी में पिछले साल ही ऑडियोमेट्री लैब तैयार कर ली गई थी। इस लैब में बहनेपन के शिकार मरीजों का इलाज किया जाएगा। लैब शुरू होने के बाद यह पता चल सकेगा कि किसी मरीज में कितना प्रतिशत बहरापन है। इसके अलावा मेडिकल बोर्ड में भी अब बहरेपन का इलाज हो सकेगा। ऑडियोमेट्री लैब बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पिछले साल ही राशि दी थी।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

उपेंद्र कुशवाहा ने विपक्ष पर किया तीखा हमला, 2025 में एनडीए सरकार बनाने का आह्वान

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्व केंद्रीय मंत्री सह राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी बिहार यात्रा के दौरान मोतिहारी में कार्यकर्ताओं और जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर शहर के नरसिंह बाबा मंदिर परिसर मैदान में श्री कुशवाहा ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार की राजनीति और आगामी चुनावों पर अपने विचार साझा किए। जनसभा में कुशवाहा ने विपक्षी दलों, विशेष रूप से राजद और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2005 से पहले के दिनों में बिहार अपराध और भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुका था। अपहरण के बाद फिरौती की रकम "एक अन्ने मार्ग" पर तय होती थी। उन्होंने कहा कि अगर उस दौर की सरकार फिर से सत्ता में आई तो बिहार का विकास रुक जाएगा और राज्य पीछे चला जाएगा। उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास योजनाओं और प्रशासन की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार ने प्रगति की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करें। कुशवाहा ने दावा किया कि एनडीए 2025 में सरकार बनाएगा और 225 से अधिक सीटें जीतेगा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष ई. रमेश कुमार पासवान ने बताया कि उपेंद्र कुशवाहा की यह यात्रा कार्यकर्ताओं और जनता के बीच उत्साह भरने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस जनसभा से एनडीए के कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उपेंद्र कुशवाहा की यह यात्रा बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में एक नई दिशा देने के संकेत दे रही है। उनके वक्तव्यों ने कार्यकर्ताओं को 2025 के चुनावों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया।

स्वच्छ रक्सौल संगठन ने तीन नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू

बीएनएम। मोतिहारी

स्वच्छ रक्सौल संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह के नेतृत्व में रक्सौल शहर के तीन अलग-अलग जगहो से तीन नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू किया। इसकी जानकारी देते हुए संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि लोगो की सूचना पर टीम के द्वारा कौड़िहार चौक से एक सात वर्षीय नाबालिग बच्चें का रेस्क्यू किया गया व बच्चे से पूछताछ की गयी। उक्त बच्चे का नाम सैफुल है। बच्चें ने बताया कि वह अपनी मां के साथ नानी के गांव आया था, लेकिन रास्ता भटककर रक्सौल आ गया। सही पता न होने के कारण 1098 पर सूचना दी गई और रक्सौल पुलिस के सहयोग से उसे बाल कल्याण समिति को सौंपा गया व परिजनों से संपर्क की गयी। वही रक्सौल के जोकियारी निवासी एक बालक, जो चार दिनों से घर से भागा हुआ था। गढ़ी माई मेले में कुछ दिन बिताने के बाद रात में लुधियाना जाने की कोशिश कर रहा था, जिसके बाद स्वच्छ रक्सौल की तत्परता से रक्सौल जंक्शन से रेस्क्यू किया गया। इस दौरान बच्चें से पुछताछ के बाद परिजनों से संपर्क करके रेल थाना को सौप दी गयी। जिसके बाद परिजन आकर बच्चे को साथ ले गए। वही आदापुर के मूर्तिया गांव के वार्ड नं. 04 निवासी अपसाद मंसूरी, जिसकी उम्र करीब 10 साल है, लावारिस अवस्था में पाया गया। वह अपने घर से भटक गया था। उसे बचाने के बाद रमेश सिंह, मुबारक भाई जान और सफी अहमद ने प्रयास कर उसके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया शुरू किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एक ही रात चार घरों से लाखो की चोरी

बीएनएम। मोतिहारी : जिले के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के कोटवा गांव में चोरो ने एक ही रात चार घरो से लाखो की चोरी कर फरार हो गये। पीड़ित सुदामा तिवारी, धीरेंद्र शाह उर्फ नोकिया,नगीना शाह व अनुज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि करीब बारह लाख रुपये के समान लेकर चोर फरार हो गए। सुदामा तिवारी और अपने परिवार को लेकर किसी शादी समारोह में गए थे , इसी बीच चोर घर के मेन गेट के ताला को तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए और जेवरात पैसा व कपड़ा रखा हुआ बैग लेकर फरार हो गये। जब इस बात के सूचना श्री तिवारी को मिला तो अपने परिवार को लेकर अपने घर पहुंचे तो देखें मेन गेट के ताला टूटा हुआ है और सामान गायब हैं। घर मे कपड़ा बैग बिखरा हुआ मिला। वहीं दूसरे तरफ धीरेंद्र शाह उर्फ नोकिया के पत्नी और बेटी दूसरे घर पर सोई थी और बेटा व बहू दूसरी मंजिल पर सोया था,जब सुबह में देखा तो दरवाजा टूटा हुआ था चोरों ने दरवाजे को तोड़कर अंदर प्रवेश कर जेवरात पैसा व कपड़ा रखा हुआ बैग लेकर फरार हो गये थे। दूसरे तरफ नगीना शाह के घर दरवाजे तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए और नगद राशि लेकर फरार हो गये वही अनुज कुमार श्रीवास्तव के घर पर पहुंचे चोरों को कोई वस्तु हाथ नहीं लगा।

नेपाल में बलि के लिए ले जा रहे दो पिकअप पर लदे 34 पशु बरामद,तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पशु तस्करों के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सुगौली थाना पुलिस ने दो पिकअप पर लदे 34 पशुओ के साथ तीन पशु तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सूचना मिली की एनएच-28 मोतिहारी-बेतिया मार्ग पर पिकअप गाड़ी में लदे पशु को तस्करी हेतु ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद त्वतरित कार्रवाई करते हुए डीएसपी सदर-02 के नेतृत्व में गठित टीम ने वाहन जांच शुरू किया। इसी दौरान पुलिस वाहन को देखकर पशु तस्कर भागने का प्रयास करने लगे,लेकिन सशस्त्र बलो ने खदेड़कर सुगौली थानाक्षेत्र के बंगरा ओवर ब्रिज एवं पश्चिम चम्पारण, बेतिया श्रीपुर सीमा पर दोनो पिकअप को पकड़ लिया।जिस पर भैंस 17 भैस एवं 17 पाड़ा कुल 34 पशु को बरामद किया गया एवं पिकअप गाड़ी के चालक एवं उपचालक सहित तीन पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गये तीनो की पहचान शेख सलमान पिता स्व. शेख आबिद,ग्राम खड्डा कुंजलही, थाना-नौतन, जिला-बेतिया, शाहरूख नट पिता मदन नट, ग्राम- बलुआ परेगवा, थाना-योगापट्टी, जिला-बेतिया व तुफानी राय,पिता- बंशी राय,ग्राम बलुआ परेगवा, थाना योगापट्टी, जिला-बेतिया के रूप में हुई है।पूछताछ के दौरान इन लोगो ने बताया कि बरामद सभी पशुओ को नेपाल लेकर जा रहे थे।जहां गढी माई मेला में बलि के लिए अच्छे दाम पर बिक्री करनी थी। तस्करों के विरूद्ध पशु क्रूरता अधिनियम 1960 की धारा-11 के तहत सुगौली थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी टीम में डीएसपी सदर 2 जितेश पाण्डेय,अंचल निरीक्षक अशोक कुमार पाण्डेय,सुगौली थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह,अपर थानाध्यक्ष अभिनव राज,एसआई शंभु साह दिलीप कुमार सिंह,नवीन कुमार,वशिष्ट कुमार, विश्वजीत पंडित,चौकीदार समीर आलम,लाल जी व सुगौली थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

अवैद्य पिस्टल व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। हरसिद्धि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक युवक को अवैद्य पिस्टल व एक कारतूस के साथ गुरुवार की रात छापेमारी कर गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक पानापुर रंजीता के मुंशी बाजार वार्ड नम्बर छह के निवासी सुरेश पासवान का पुत्र अमित कुमार है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक का निर्देश है कि अपराधियों के यहां छापेमारी, संदिग्धों पर नजर तथा दिवा व रात्रि गस्ती में तेजी लाने का निर्देश है। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिला कि पानापुर रंजीता पंचायत के मुंशी बाजार गावँ में अमित कुमार नाम का एक युवक पिस्टल लहरा रहा है। सूचना पर थानाध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा, अपर थानाध्यक्ष बिभा भारती, दरोगा मनीष राज, अविनाश कुमार, फूल कुमार महलदार आदि का टीम गठित कर गिरफ्तार युवक के घर छापेमारी की गई, जहाँ से एक पिस्टल और 315 बोर का एक कारतूस बरामद हुआ। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह आज, तैयारियां पूरी

यह दीक्षांत समारोह हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है- कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) अपने बहुप्रतीक्षित दीक्षांत समारोह की मेजबानी के लिए पूरी तरह आज तैयार है। शहर के राजा बाजार स्थित गांधी ऑडिटोरियम को भव्य पुष्प सजावट से सुसज्जित किया गया है, जहाँ भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि के रूप में आज उपस्थित रहेंगे। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर और स्थानीय सांसद राधा मोहन सिंह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।आज विश्वविद्यालय ने इस भव्य आयोजन के लिए सफलतापूर्वक पूर्वाभ्यास किया। शैक्षणिक शोभायात्रा एसएसबी बैंड की धुनों पर मार्च करेगा, जो दीक्षांत समारोह की गरिमा और परंपरा को प्रतिबिंबित करता है। छात्रों को उनके दीक्षांत परिधान वितरित किए गए हैं। एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व और समारोह में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "यह दीक्षांत समारोह हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। यह एमजीसीयू के लिए गर्व का क्षण है कि हम ऐसी प्रतिष्ठित हस्तियों का स्वागत कर रहे हैं, जो हमारे छात्रों को राष्ट्र की प्रगति और विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित करेंगी।" विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) शेफालिका मिश्रा ने संवाद प्रेषित करते इस आयोजन की व्यापक तैयारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "दीक्षांत समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शैक्षणिक उत्कृष्टता और भविष्य के नेताओं को तैयार करने की प्रतिबद्धता का उत्सव है। हमारे संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के प्रयासों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

रिपुराज एग्रो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर ईडी की छापेमारी, बाराती बनकर आई टीम

बीएनएम। रामगढ़वा/रक्सौल

रामगढ़वा/रक्सौल। अनुमंडल के रामगढ़वा प्रखंड के आमोदेई गाँव स्थित रिपुराज एग्रो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी आय से अधिक मामले मे ईडी अधिकारियों के द्वारा फिल्मी स्टाईल में छापेमारी की है। अधिकारियो की माने तो मिल मालिक के 17 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी चल रही है। मिल मालिक और कर्मचारियों के मोबाइल जप्त कर देर रात्रि तक पूछताछ जारी है। घटना को लेकर पूरे इलाके में उत्सुकता का माहौल उत्पन्न हो गया है, बताया जा रहा है कि मिल ने धान की खरीददारी करके धान को ख़राब होने की बात कह करोड़ो का वारा-न्यारा किया है। साथ ही इसको लेकर अफवाहों का बाजार भी गर्म हो उठा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के द्वारा बताया गया कि जब इनकम टैक्स के अधिकारियों के गाड़ियों का काफिला रिपुराज मिल के पास पहुंचा तब गार्ड से गेट खोलने को बोला गया था। लेकिन देरी करने पर इनकम टैक्स के अधिकारियों ने गार्ड की खबर लेनी शुरू कर दी 1 जिसके बाद इनकम टैक्स की पूरी टीम मिल के अंदर पहुंच कर टेलीफोन, मोबाइल सहित कंप्यूटर को भी अपने कब्जे में लेकर जाँच करने लगी। बताया जा रहा है कम समय मे बड़ी सम्पति अर्जित करना और टैक्स चोरी का आरोप भी मिल संचालक पर लग रहा है। बता दे कि रामगढ़वा प्रखंड के आमोदेई गाँव स्थित रिपुराज एग्रो प्राइवेट लिमिटेड राइस मिल कई कारणों से हमेशा विवाद में ही रहा है।क्योंकि रिपुराज मिल पर कुछ दिन पहले ही एक व्यक्ति के द्वारा प्रदूषण को लेकर भी सवाल उठाया गया है। जिसमे मील से निकलने वाला धुँआ व राख से लोगो का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। क्योंकि इस मिल से आये दिन निकले वाला धुँआ व राख लोगो के छत पर गिरता है। साथ ही सड़क के दोनों किनारे जगह जगह पर राख दिखाई पड़ता है जो आने जाने वालों लोगो के ऊपर हवा के साथ उड़ता रहता है। सबसे बड़ी बात ये है इतनी घनी आबादी में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा कैसे एनओसी दे दिया गया है। जो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर भी सवालिया निशान खड़ा करता है। जबकि देखा जाय तो रिपुराज मिल के तीनो तरफ सिर्फ और सिर्फ घनी आबादी है, पूरब साइड में एनएच 28 के सटे ही शोभा टोला गाँव की घनी आबादी निवास करती है जबकि उत्तर और दक्षिण में भी घनी आबादी रहती है। सबसे बड़ी दिक्कत तो ये है दक्षिण साइड में 20 कदम के बाद सरकारी विद्यालय है जहाँ प्रतिदिन सैकड़ो बच्चों के पठान पाठन का कार्य किया जाता है। इतना सब होने के बाद भी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ये सब नही दिखता है और हर साल इस मिल को एनओसी दे दिया जाता है। इधर मिल पर चल रहे रेड को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आयी है वैसे खबर है कि अधिकारियो ने कर्मचारियो एवं अन्य से पूछ ताछ की और संपत्ति की घोषणा को लेकर मालीक पर दबाब डाला। आय से अधिक मामले को लेकर मिल मालिक की संपत्ति की आंकलन की जा रहीं है।

हत्याकांड का आरोपी 5 हजार का इनामी बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के केसरिया थाना पुलिस ने एसटीएफ के सहयोग से छापेमारी करते हुए हत्याकांड के नामजद 5 हजार का इनामी कुख्यात अपराधी बैद्यनाथ पासवान को मुजफ्फरपुर के खादी भंडार चौक से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कुख्यात अपराधी मुजफ्फरपुर जिले के मिठनपुरा थाना अन्तर्गत खादी भंडार चौक का रहने वाला है। कई कांडों में वांछित यह अपराधी काफी दिनो से पुलिस को चकमा दे रहा था। इसकी जानकारी देते हुए केसरिया उदय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के विरुद्ध केसरिया थाना के अलावें मुजफ्फरपुर नगर थाना एवं मिठनपुरा थाने में लूट, हत्या, आर्म्स एक्ट एवं मद्य निषेध कांड में चार-चार मामले दर्ज हैं। छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम, केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार, दारोगा शंभू कुमार यादव, पीएसआई अंजू कुमारी, सशस्त्र बल एवं एसटीएफ की टीम शामिल थी।

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर कड़ी रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

बीएनएम। मोतिहारी। उपराष्ट्रपति के आगमन पर सुरक्षा व्यवस्था और विधि व्यवस्था के मद्दे नजर चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। मोतिहारी शहर अंतर्गत उपराष्ट्रपति के परिभ्रमण वाले मार्गों में स्थल चिन्हित कर सभी जगह पर दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। दीक्षांत समारोह कार्यक्रम स्थल महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह की सुरक्षा में 50 दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए हैं। शहर के सभी महत्वपूर्ण स्थलों, चौक चौराहो पर कुल 44 जगह ड्रॉप गेट लगाए गए हैं, जिसके माध्यम से यातायात एवं रूट लाइनिंग की व्यवस्था कराई जाएगी। वाहन पार्किंग के लिए चार स्थल चिन्हित किए गए हैं। कचहरी चौक से प्रेक्षा गृह तक पथ के दोनों तरफ कोई वाहन खड़ा नहीं होंगे और ऐसा पाये जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में एक अस्थाई थाना बनाया गया है। यहां दो वाच टावर भी लगाए गए हैं जिससे सभी गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जाएगी। इस संपूर्ण क्षेत्र में किसी भी तरह के ड्रोन का संचालन प्रतिबंधित किया गया है। प्रेक्षा गृह के मॉनिटरिंग के लिए 70 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्रेक्षा गृह में प्रवेश के लिए पास जरूरी किए गए हैं। बिना परिचय पत्र (पास) के किसी भी व्यक्ति का प्रेक्षा गृह में प्रवेश वर्जित किया गया है। प्रेक्षा गृह में प्रवेश 9:30 बजे पूर्वाह्न तक ही दिया जाएगा। पुलिस उप महानिरीक्षक चंपारण रेंज जयंत कांत, प्रभारी जिलाधिकारी मुकेश कुमार सिंहा, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में सभी पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी को संयुक्त ब्रीफिंग कर सभी जरूरी निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला के सभी अनुमंडल पदाधिकारी की उपस्थित थे।

बेतिया में तीन दिवसीय आवासीय चंपारण विभाग के आचार्यों का सम्मेलन आरंभ

बीएनएम। बेतिया। सरस्वती विद्या मंदिर, बरवत सेना,बेतिया में तीन दिवसीय आवासीय चंपारण विभाग के आचार्यों का सम्मेलन आरंभ हुआ। इस सम्मेलन में विभाग के 6 संकुलों के 41 विद्यालयों के 495 शिक्षक समेत कुल 600 लोग भाग ले रहे है। शुक्रवार को उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. आर. के चौधरी ने बताया कि आज के आचार्य किस प्रकार इस सम्मेलन से अपनी दक्षता को विकसित कर सकते है। प्रो चक्रवर्ती ने बताया कि यह सम्मेलन एक प्रकार से ओरियंटेशन या रिफ्रेशर कोर्स है।डॉ पूर्णिमा बाला श्रीवास्तव ने कि शिक्षा जगत आज एक चौथाई महिलाए है जो यह दर्शाता है कि मातृ शक्ति का विकाश हो रहा है। स्थानीय महर्षि बाल्मीकि छात्रावास अधीक्षक नरेंद्र कुमार कार्यक्रम की सफलता के लिए तत्पर दिखे। कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने आगंतुक अतिथियों का परिचय कराया। प्राथमिक खंड के प्रभारी प्रधानाचार्य अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के व्यवस्था की जानकारी दी। स्थानीय आचार्य-आचार्या लखींद्र कुमार सिंह, कृष्ण कुमार मिश्र, राज किशोर प्रसाद, राम नरेश सिंह,पवन जी, जितेंद्र गुप्ता, जय किशोर सिंह, ब्रजेश मिश्र,प्रवीण श्रीवास्तव, राजकुमार रविन्द्र सिंह, वंदना पांडे, शिल्पी वर्मा मनोज कुमार सिंह,राजेश मिश्र, शशांक , त्रिपुरारी एवं अन्य कार्यक्रम व्यवस्था में व्यस्त दिखें। चंपारण विभाग के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य जैसे वाणी कांत झा, प्रियंका प्रीति, लालाबाबू राय, संत कुमार वर्मा, सत्यप्रकाश मिश्र को विभिन्न प्रतियोगिताओं प्रमुख के रूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

गैस गोदाम के गेटकीपर से लूट

बीएनएमः केसरिया थाना क्षेत्र के गवन्द्री स्थित शर्मा इंडेन गैस गोदाम के गेट कीपर से शुक्रवार की संध्या बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने साढ़े सात हजार रूपए लूट लिया है। हालांकि ग्रामीणों के विरोध के बाद बदमाश भागने लगे। इसी क्रम में थोड़ी दूर जाने के बाद अपराधियों की पल्सर बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसके बाद बाइक छोड़ कर तीनों बदमाश भाग निकले। सूचना पर पहुँची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

नशामुक्त और शिक्षायुक्त समाज का निर्माण ही अम्बेडकर का सपनाः मुनेश

बीएनएम। रक्सौल

शहर के अम्बेडकर चौक पर देश के निर्माण में महती भूमिका निभानेवाले संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की 69 वाँ महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इसका आयोजन अम्बेडकर ज्ञान मंच के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने किया।मौके पर सैकड़ों लोगों ने बाबा साहेब के जीवनी और कृतित्वों पर प्रकाश डाला तथा उन्हें देश व समाज तथा नारी उत्थान का सच्चा हितैषी करार देते हुए कृतज्ञता प्रकट किया। बतौर मुख्य अतिथि अंचलाधिकारी शेखर राज ने कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का मुख्य साधन बताते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया तथा लोगों को नशा छोड़ने का संकल्प दिलाया। कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को शिक्षित करके ही बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते है।वही, विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाजसेवी नुरुल्लाह खान ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आजादी के बाद भी बहुजन समाज का एक बड़ा तबका झुग्गी झोपड़ियों और गंदगी के बीच जीवन बसर करने को मजबूर है और वह जीवन के बुनियादी जरूरत शिक्षा से महरूम है, उसे बगैर बाबा साहेब के संघर्षों व ज्ञान से परिचित करा स्कूलों से जोड़े समाज का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।इसके लिए मंच के सदस्यों को गांव शहर के अभिवंचित समाज के बीच जागरूकता कार्यक्रम को अभियान के रूप में चलाने की जरूरत पर बल देना होगा। वही, मंच के संस्थापक मुनेश राम ने कहा कि हमारा लक्ष्य अभिवंचित वर्गो को नशामुक्त व शिक्षायुक्त करना है, जिससे वह अम्बेडकर के महान कृति संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित होकर अपने हक और अधिकारों को हासिल कर सके तथा देश की एकता और अखंडता के लिए सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए आडंबर, अंधविश्वास, पाखंडमुक्त समाज के निर्माण में अपना महती योगदान देने में सफल हो। इस मौके पर पूर्व एचएम जगन राम, अनुमंडल अध्यक्ष प्रकाश कुमार पासवान,नगर अध्यक्ष पंकज पासवान, शिक्षक ताराचंद कुमार, भाग्य नारायण साह, रामप्रवेश साह, सुदामा राम, मनोज चौरसिया सहित अन्य ने बारी बारी बाबा साहेब के प्रतिमा पर माल्यार्पण सह पुष्पार्चन किया।

तुरकौलिया पुलिस ने पांच वारंटी को किया गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया

तुरकौलिया। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर तुरकौलिया पुलिस लगातार वारंटी को पकड़ने में दिन रात एक करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में तुरकौलिया पुलिस ने पांच वारंटी को पकड़ा है। पकड़ा गया वारंटी थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर मौजे का किशोर मांझी का पुत्र गुड्डू कुमार है। जो दहेज हत्या कांड का अभियुक्त था। दूसरा वारंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत जयसिंहपुर बेलघटी के साहू हुसैन का पुत्र जौवाद हुसैन है। जो हत्या का प्रयास करने के मामले में अभियुक्त था। तीसरा वारंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत बिजुलपुर जिरात के जयराम महतो का पुत्र गणेश महतो है। जो उत्पाद का वारंटी था। वहीं चौथा वारंटी बिजुलपुर बनकटी के भगेलू राम का पुत्र शिवशंकर राम है। और पांचवा वारंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत बिजुलपुर गांव के रामदेव राउत का पुत्र फुलेना पटेल है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि फरार चल रहे सभी वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। जिसे शुक्रवार को जेल भेज दिया गया।

विधायक श्यामबाबू यादव ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

बीएनएम। मेहसी।

भारतीय संविधान के शिल्पकार, 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर मेहसी प्रखंड परिसर में स्थानीय विधायक श्यामबाबू यादव ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि बाबा साहेब ने समता मूलक समाज का सपना देखा था , अंत्योदय का सपना देखा था।पिछड़ो,दलितों,वंचितों के कल्याण करने का काम एनडीए सरकार कर रही है।चाहे वह ग़रीब कल्याण अन्न योजना हो या आयुष्मान कार्ड योजना हो या फिर सात निश्चय हो। या मुख्यमंत्री स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना हो या प्रधानमंत्री आवास योजना हो सभी योजनाओं का उद्देश्य गरीबों के कल्याण,उनके बच्चों को उच्च शिक्षा की सुविधा देना है! बाबा साहेब का सपना था कि जब हम शिक्षित हो जाएंगे तो लगभग सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। आज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है।इस अवसर पर मेहसी राजस्व अधिकारी कपिलदेव झा,भाजपा नेता अजय सिंह,रत्नेश सिंह,अशोक कुशवाहा,बबलू ठाकुर,विजय कुशवाहा ,शैलेश द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

झगड़े खत्म हो जाने चाहिए

जब तक उपासना स्थल अधिनियम अस्तित्व में है, हर पूजा स्थल की 15 अगस्त 1947 को जो स्थिति थी, उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। वह कानून अस्तित्व में रहे, और उसका खुलेआम उल्लंघन भी हो, यह कतई उचित नहीं है। उत्तर प्रदेश के संभल में प्रशासन की जो भूमिका रही, उसे कानून के राज और न्याय भावना की कसौटियों पर सिरे से अनुचित माना जाएगा। पहली बात, जब तक उपासना स्थल अधिनियम अस्तित्व में है, हर पूजा स्थल की 15 अगस्त 1947 को जो स्थिति थी, उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। वह कानून अस्तित्व में रहे, और उसका खुलेआम उल्लंघन भी होता रहे, तो यही कहा जाएगा कि देश में कानून और संविधान का कोई मूल्य नहीं रह गया है। ना ही सुप्रीम कोर्ट की इस भावना की कोई कदर होती दिख रही है कि अयोध्या विवाद के हल होने के बाद अब मंदिर-मस्जिद के झगड़े खत्म हो जाने चाहिए। फिर भी पूजा स्थलों के स्थिति में परिवर्तन करना अगर सत्ता पक्ष का एजेंडा है, तो उसे पहले संसद से इस अधिनियम को रद्द करवा देना चाहिए! जहां तक संभल की बात है, तो वहां कोर्ट ने बिना दूसरे पक्ष को सुने एक मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया। कोई याचिका आई थी, तो क्या उचित नहीं होता कि अदालत पहले दूसरे संबंधित पक्ष को नोटिस जारी कर उसका जवाब मांगती? फिर प्रशासन ने इतना उत्साह दिखाया कि कोर्ट का आदेश आने के कुछ घंटों के अंदर ही सर्वे शुरू कर दिया। हैरतअंगेज है कि एक सर्वे होने के बाद फिर दूसरे सर्वे के लिए टीम गई। उसी समय पुलिस और दूसरे पक्ष की भीड़ में टकराव हुआ। तब फायरिंग में चार लोग मारे गए। सत्ताधारी नेताओं के सामने सवाल है कि वे भारत को कहां ले जाना चाहते हैं? क्या वे देश को सतत सांप्रदायिक उथल-पुथल में धकेल देना चाहते हैं? भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपना मातृ संगठन मानती है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 2022 में कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग ढूंढने की प्रवृत्ति छोड़ी जानी चाहिए। भाजपा इस पर भी गौर करती, तो उसकी सरकारें पूजा स्थलों को लेकर नए-नए विवाद खड़ा करने की फैलती जा रही प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए कारगर कदम उठातीं। लेकिन धारणा इसके उलट बनती जा रही है। इस पर पार्टी नेतृत्व को अविलंब आत्म-निरीक्षण करना चाहिए।

यमुना हमारी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय धरोहर

छठ पूजा के अवसर पर यमुना नदी एक बार फिर चर्चा का विषय बनी। इसकी साफ-सफाई और स्वच्छता को लेकर फिर से कई सवाल दागे गए। वादे-कस्में दुहराए गए। लेकिन हर बार यह चर्चा-परिचर्चा किसी समाधान तक नहीं पहुंचती। हर साल यही होता है-राजनीतिक बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और गंदी राजनीति का खेल। गंदी राजनीति की वजह से यमुना कहीं अधिक गंदी हो रही है। चर्चाओं के दौरान नदी की स्थिति पर केवल औपचारिक बातें की जाती हैं। यमुना की हालत हर दिन बिगड़ती जा रही है। गंदे नालों का पानी, झाग, बदबूदार काला पानी और जहरीले रसायन न केवल नदी को दूषित कर रहे हैं, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों की जिंदगी पर भी गंभीर असर डाल रहे हैं। राजनीतिक दल केवल अपनी राजनीति साधने में व्यस्त हैं। कभी पवित्र मानी जाने वाली यमुना की दुर्दशा कोई नई बात नहीं है। इसे स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए कई सरकारें आई और गई। लाखों-करोड़ों रु पये खर्च हुए, बड़े-बड़े आंदोलन और अभियान चलाए गए, लेकिन नतीजा शून्य ही रहा। नदी को गंदा करने वाले असली गुनहगार कौन हैं, यह आज तक तय नहीं हो सका। दरअसल, यह समस्या प्रशासनिक लापरवाही और खराब ड्रेनेज व्यवस्था का नतीजा है। दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से फेल हो चुका है। थोड़ी सी बारिश होते ही राजधानी की सड़कों पर पानी भर जाता है। बारिश का पानी के निकलने का कोई समुचित इंतजाम नहीं है। नालों की सफाई न होने और जल निकासी की व्यवस्था खराब होने से नाले उफान मारते हैं। पहले नदी का पानी बढऩे से शहर में बाढ़ आती थी, लेकिन अब शहर का पानी ही बाढ़ जैसे हालात पैदा कर देता है। दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम 1976 के टाउन प्लान पर आधारित है। उस समय दिल्ली की आबादी केवल 60 लाख थी, जो अब 2024 में बढ़ कर लगभग 3 करोड़ हो गई है। इस 48 साल पुराने सिस्टम से मौजूदा आबादी की जरूरतें पूरी करना संभव नहीं है। नया ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाने की कई घोषणाएं हुई, लेकिन वह अब तक कागजों में ही सिमटा हुआ है। दिल्ली में 2846 से ज्यादा नाले हैं, जिनकी कुल लंबाई 3692 किलोमीटर है। इनमें से कई नाले ठोस कचरे, सीवेज और अतिक्रमण के कारण जाम हो चुके हैं। कई बड़े नालों का गंदा पानी सीधे यमुना में गिरता है। इससे नदी में प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। यमुना मॉनिटरिंग कमिटी ने सभी बड़े नालों के मुहाने पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट यानी एसटीपी लगाने की सिफारिश की थी लेकिन इस दिशा में भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। 2018 में आईआईटी के एक प्रोफेसर ने दिल्ली सरकार को नया ड्रेनेज मास्टर प्लान सौंपा था। इस प्लान में बारिश के पानी और सीवेज के लिए अलग-अलग व्यवस्था करने की सिफारिश की गई थी। लेकिन इस पर भी काम शुरू नहीं हो पाया। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक सीवरेज और बाढ़ के पानी की निकासी के लिए अलग व्यवस्था नहीं होगी, तब तक समस्या बनी रहेगी। वहीं पीडब्ल्यूडी के मुताबिक, दिल्ली का मौजूदा ड्रेनेज सिस्टम 24 घंटे में केवल 50 मिमी. बारिश को ही संभाल सकता है। इससे अधिक बारिश होने पर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2000 के बाद दिल्ली में तेजी से शहरीकरण हुआ। खाली जमीनों पर अनधिकृत कॉलोनियां बस गई, हरित क्षेत्र घट गए और फ्लैटों का निर्माण बढ़ गया। इस सबने ड्रेनेज सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव डाला। दिल्ली के तीन प्रमुख प्राकृतिक जल निकासी बेसिन-ट्रांस यमुना, बारापुला और नजफगढ़-भी ठोस कचरे और अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहे हैं। कई जगह जल निकासी के रास्ते पूरी तरह बंद हो चुके हैं। आरके पुरम, करोल बाग और दरियागंज जैसे इलाकों में नालों पर अतिक्रमण के कारण उनकी सफाई मुश्किल हो गई है। यह समस्या यमुना नदी के प्रदूषण को और बढ़ा रही है। यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए जरूरी है कि नालों का गंदा पानी सीधे नदी में जाने से रोका जाए। ठोस कचरे और सीवेज के उचित प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल होना चाहिए।

भारतीय संविधान में कलात्मकता

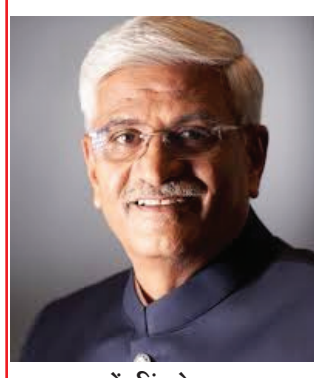

गजेंद्र सिंह शेखावत

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को दस्तावेज के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है। यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया है: मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ। संविधान की शुरुआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है। संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है। संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पृष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिज़ाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से 'पेरुमलदा' कहा जाता था। संविधान का भाग VI, जो प्रथम अनुसूची के भाग A में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक-एक पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को दर्शाता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिज़ाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं। भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिज़ाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है। शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उत्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान ऊंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय 'मास्टर मोशाय' नंदलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे। संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग 13 'भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधो' से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। 'गंगा का अवतरण' एक बड़ी, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है। भाग 3 जो मौलिक अधिकारों से संबंधित है, उसमें रामायण का एक दृश्य दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। भाग 4 जो राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें महाभारत का एक दृश्य दिखाया गया है। बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दाईं ओर नीचे दिए गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और विनायक शिवराम मसोजी का नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर दिखाई देता है। संविधान का भाग 7 'पहली अनुसूची के भाग बी में शामिल राज्यों' से संबंधित है। इस खंड की शुरुआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को दर्शाया गया है। उन्हें हाथी पर सवार दिखाया गया है, जो सभी तरह के साज-सज्जा से सुसज्जित है और बौद्ध भिक्षुओं से घिरा हुआ है। यह चित्रण अजंता की शैली में है, जिसमें भिक्षुओं को शरीर के ऊपरी हिस्से को बिना वस्त्रों और आभूषणों के साथ दिखाया गया है। यह चित्रण नंदलाल बोस द्वारा किया गया था, जिनका काम अजंता भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली कलात्मक परंपराओं से बहुत प्रभावित था। चित्रण के निचले बाएँ भाग पर ए. पेरुमल का नाम भी दिखाई देता है। बॉर्डर डिज़ाइन में ब्योहर राममनोहर सिन्हा के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रस्तावना और कई अन्य पृष्ठों को भी डिज़ाइन किया था। यहाँ उन्होंने हिंदी में राममनोहर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। यह संविधान के उन कुछ पन्नों में से एक है, जिस पर नंदलाल बोस और उनके सबसे वरिष्ठ छात्र ब्योहर राममनोहर सिन्हा दोनों के नाम हैं। भारत का संविधान इस मायने में अनूठा है कि यह मूल रूप से एक हस्तलिखित दस्तावेज़ था। इसे अंग्रेजी में प्रेम बिहारी रायज़ादा और हिंदी में वसंत के. वैद्य ने सुलेखित किया था। रायज़ादा ने प्रवाहपूर्ण इटैलिक शैली का इस्तेमाल किया और सुलेख की कला अपने दादा से सीखी। संविधान हॉल (जिसे अब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया के नाम से जाना जाता है) के एक कमरे में काम करते हुए, उन्होंने छह महीने के दौरान दस्तावेज़ तैयार किया। उन्होंने इसे लिखते समय सैकड़ों पेन निब का इस्तेमाल किया। भारत के संविधान के अंग्रेजी संस्करण के सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा (प्रेम) के हस्ताक्षर दस्तावेज़ के हर पृष्ठ पर दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को शुरू करने के लिए उन्होंने यही एकमात्र अनुरोध किया था। भारत का संविधान एक मौलिक कला ग्रंथ है जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। भारतीय संविधान में कलात्मकता भारत के बहुस्तरीय इतिहास को दर्शाती है और सामाजिक सांस्कृतिक, पौराणिक, क्षेत्रीय, आध्यात्मिक, भौतिक परिदृश्य तथा अन्य कारकों के प्रति श्रद्धांजलि है जो भारत को एक अद्वितीय और जीवंत अनुभव बनाते हैं। यह एक ऐसे राष्ट्र की वास्तविकता को दर्शाता है जो अपने प्राचीन अतीत को स्वीकार करता है, विविधता में एकता का उत्सव मनाता है और भविष्य की ओर देखता है।

सुगम्य भारत अभियानः सार्वभौमिक सुगमता कार्यान्वयन

डॉ अंजली अग्रवाल

सुगमता एक दिव्यांगों के लिए समावेशी दुनिया के निर्माण में पहली आवश्यकता है। पहुँच सुनिश्चित किए बिना, दिव्यांग व्यक्तियों को प्रदान किए गए अन्य सभी अधिकार अर्थहीन हो जाते हैं। दुनिया को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए आवश्यक हैः (1) जो अतीत की त्रुटियों को सुधारता है और (2) जो भविष्य की योजना बनाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अतीत की त्रुटियाँ दोहराई नहीं जाती हैं और अतीत की त्रुटियों को सुधारने के लिए, पूर्व में निर्मित दुर्गम वातावरण का नवीनीकरण और पुनर्निर्माण करना और उसे सुलभ बनाना समय की आवश्यकता है। निर्माण, परिवहन और सूचना एवं संचार के ईकोसिस्टम में प्रदान की गई सुगमता के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों का पूर्ण समावेशन और समान भागीदारी नितांत आवश्यक है। बाधाएँ न केवल उन लोगों के लिए मौजूद हैं जिन्हें जन्म से या जीवन के शुरुआती दौर में दिव्यांगता है, बल्कि बुजुर्गों के लिए भी, जो सुनने, देखने, गतिशीलता या मैनुअल कौशल में कमी का अनुभव कर सकते हैं; और ये कठिनाइयाँ सुलभ बुनियादी ढाँचे की माँग कर सकती हैं। उद्देश्यः सभी नागरिकों, जिसमें बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्ति शामिल हैं, के लिए सार्वभौमिक सुगमता (पहुँच) प्राप्त करने के लिए, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का एक राष्ट्रव्यापी प्रमुख अभियान, सुगम्य भारत अभियान, 3 दिसंबर, 2015 को शुरू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य भारत की 15त्न आबादी, जिनमें किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता है, द्वारा सामना की जाने वाली अप्राप्यता को दूर करना है। यह तीन क्षेत्रों पर केंद्रित हैः निर्मित पर्यावरण में पहुँच, परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियाँ (आईसीटी)। यह देश में सार्वभौमिक पहुँच के कार्यान्वयन को "सुगम्य भारतः सशक्त भारत" के मिशन के साथ अनिवार्य करता है।

एक्शनः वर्ष 2016 में, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दिव्यांगता वाले विशेषज्ञों और सुगमता पर काम करने वाले लोगों के साथ एक संचालन समिति का गठन किया और सभी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से सुगमता कार्यान्वयन के लिए लक्ष्यों और समय-सीमा के साथ एक रणनीति पत्र विकसित किया। विभाग द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए सुलभ नहीं होने वाली साइटों और भवनों की जानकारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पोर्टल और ऐप भी विकसित किया गया था। यह अभियान, अधिनियम, 2016 के सुगमता के नियमों दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के अध्याय ङ्क्रढ्ढ, पहुँच और धारा 15, के साथ तालमेल बिठाता है। सुगमता ऑडिट, दिशानिर्देशों का विकास, कोड और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशालाएँ करना अभियान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए की गई कुछ गतिविधियाँ हैं। समारोहः दिनांक 3 दिसंबर, 2024 को अभियान के शुरू होने के 9 वर्षों के बाद, यह दृढ़ता से महसूस किया गया है कि यद्यपि कानून के अनुसार सुगमता अनिवार्य है और अभियान ने जागरूकता बढ़ाई है व हितधारकों

और सेवा प्रदाताओं के रवैये को बदल दिया है। हालाँकि, कई अधिकारियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सुगम्य वातावरण को लागू और सुदृढ़ करना बाकी है। इसके लिए, हम सभी को सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए "राष्ट्रीय सुगमता मानकों और सार्वभौमिक डिजाइन के सिद्धांतों को अपनाना, लागू करना, निगरानी करना और लागू करना" चाहिए, जिससे सभी को लाभ होता है। भविष्यः इसलिए, सुगम्य भारत अभियान दिव्यांग व्यक्तियों को स्वतंत्र रूप से जीने और जीवन के सभी पहलुओं में पूरी तरह से भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए सार्वभौमिक सुगमता को बढ़ाने और कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनता के लिए खुली/प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं और सेवाओं के लिए दूसरों के साथ समान आधार पर उनकी समान पहुँच भी सुनिश्चित करेगा। भागीदारीः समावेशन और सशक्तिकरण में बाधाओं को दूर करने के लिए सुलभ बुनियादी ढाँचा प्रदान करने में निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों दोनों को भूमिका निभानी है। हम व्यवसायों और कॉर्पोरेट संस्थानों, केंद्र और राज्य सरकार, दिव्यांग व्यक्तियों, दिव्यांगों की संस्थाओं (ओपीडी), नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ), गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) और अन्य सभी से हमारे सार्वजनिक और निजी भवनों, परिवहन बुनियादी ढाँचे और डिजिटल दुनिया को जल्द से जल्द सुगम बनाने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान करते हैं। यह 'किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना' और 'अधिकार को वास्तविक बनाना' की गारंटी देगा!! लेखकः (पीएच.डी.) राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त 2003 यूनिवर्सल एक्सेसबिलिटी एंड सस्टेनबल मोबाइलिटी स्पेशिलिस्ट कार्यकारी निदेशक, सामर्थ्यम

मेष राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा, लेकिन आपको धैर्य बनाये रखने की जरुरत है। ऑफिस में कोई नया काम सामने आ सकता है। उस काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज आपके धार्मिक गतिविधि में भी शामिल होने के योग बन रहे हैं । आज दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा हो सकता है । आज आप जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और नयी योजना बनाएंगे ।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है । जो भी नया करना है, आज पूरा करने का निश्चय करेंगे। आज आप घर की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाएंगे और कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल भी रहेंगे। आज अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा साथ ही धैर्य और विनम्रता रखें।

कर्क राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा । कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें । बिजनेसमैन के लिए नया बिजनेस स्टार्ट करने के लिए आज का दिन शुभ है जो आने वाले समय में अधिक फायदा कराएगा ।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज शांतिसे कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। पुरानी देनदारी आज समाप्त होगी, जिससे आप खुद को रिलैक्स फील करेंगे। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी । आज धैर्य और समझदारी रखें । आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिये शानदार रहने वाला है। आप अपने दिन की शुरुआत किसी जरूरतमंद की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही रुकावटों का रास्ता आज ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आप किसी सामाजिक काम में हाथ बंटा सकते हैं। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। आपके ज्यादा क्रोध से कोई बना हुआ काम बिगड़ सकता है, इसलिए आपको अपने गुस्से पर पूरा कण्ट्रोल रखना चाहिए।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला हैं। जरूरत से ज्यादा सोच- विचार करने से आपको बचना चाहिए। आज आपका सोशल नेटवर्क मजबूत बनेगा। व्यापार में आपकी मुलाकात तजुर्बेदार लोगों से होगी, उनसे व्यापार से जुडी जानकारी मिलेगी। आज आप बच्चों के किसी निर्णय में उनका पूरा सपोर्ट करेंगी। स्टूडेंट्स आज स्कूल ट्रिप पे कही बाहर जा सकते हैं। आज आपका घर खुशियों से भरा रहेगा। अस्थमा की समस्या से परेशान लोगों को आज काफी आराम मिलेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है, आपका उत्साह भी बढ़ेगा। भाई- बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज घर में कोई फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है। पहले से शुरू किये गये ज्यादातर काम आज पूरे होंगे। रिश्तों में हो रही गलत फहमियाँ आज ख़त्म होंगी, जिससे आपके रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। साथ ही आज धन लाभ के नए अवसर मिलेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। किसी काम में की गई मेहनत जरूर सफल होगी। नए व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा आज फायदेमंद रहेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है, आज आप जो भी काम शुरु करेंगे उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी । जो लोग सरकारी नौकरी कर रहे हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है । लंबे समय से प्रमोशन में आ रही रुकावट आज दूर होगी । जिनकी जॉब अभी नयी-नयी शुरु हुयी है, उनको ऑफिस में कलीग का सहयोग मिलेगा ।

शब्द पहेली - 8334

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10					■	11	
12		■	13		14	■	15	
■	16			■	17			■
18		■	19	20		■	21	22
23		■	■		■	■	24	
	■	25	26		27	28	■	
29				■	30			

बाएँ से दाएँ

1. दुर्व्यवहार, बुरा आचरण-4
4. पंजाब की एक नदी-4
7. अनाथालय-5
9. दूसरा, पराया-2
11. चलने का तरीका-2
12. नृत्य-2
13. समीप, पास, नजदीक-3
15. बुरी आदत-2
16. नृत्य करना-3
17. प्रलोभन, हवस, तृष्णा-3
18. मालिक, ईश्वर-2
19. निहित, कारण-3
21. भाग्य (अंग्रेजी-2)
23. थूक, लेस-2
24. नवीन, नव-2
25. नयापन, अनूठापन-5
29. नामवाला, नामचिन-4
30. करिश्मा, चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1. मनोरचना, मनगढ़ंत-4
2. कोक, कहवा-2
3. कामदेव की पत्नी-2
4. मित्र, दोस्त-2
5. पेड़ का मध्य भाग-2
6. नादानी, अनाड़ीपन-4
8. बंदर नचाने वाला-3
10. रचना करने वाला-5
11. आरचण, चरित्र-5
13. कपड़े की दिवार-3
14. उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18. पूजा, प्रार्थना-4
20. खूबसुरत, सुन्दर-3
22. कहर, भूचाल-4
25. नया, नवीन-2
26. शूर, बहादूर, सूरमा-2
27. अवधि में, पर्यंत-2
28. मृत, अप्रबल-2

शब्द पहेली -8333 का हल

■	क	थ	न	■	सी	धा	प	न
झ	■	■	ज	रु	र	■	■	म
ल	■	जा	र	■	त	र	■	की
क	म	र	बं	द	■	म	हा	न
■	ग	■	द	■	प	■	जि	■
म	न	का	■	प	रि	चा	र	क
द	■	का	र	■	चा	ल	■	ह
म	■	■	ह	म	ल	■	■	वा
स्त	र	ही	न	■	क	हा	नी	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एडिलेड डे नाइट टेस्ट : पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया की सधी शुरुआत, 1 विकेट पर बनाये 86 रन

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) के पहले दिन का खेल खत्म होने पर अपनी पहला पारी में 1 विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। मार्नश लाबुशेन 20 और नाथन मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से 94 रन पीछे है। भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे। भारत को 180 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरुआत खराब रही और केवल 24 रनों के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा ने 13 रन बनाए। इसके बाद लाबुशेन और मेकस्विनी ने संभलकर खेलना शुरु किया, हालांकि पंत ने

मेकस्विनी को एक जीवनदान भी दिया, जिसका उन्होंने फायदा उठाते हुए लाबुशेन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए अब तक 62 रन जोड़ दिये हैं। दिन का खेल खत्म होने पर लाबुशेन 20 और मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं।

भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोरर- इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मिचेल स्टॉर्क ने मैच की पहली ही गेंद पर पिछले मैच के शतकवीर यशस्वी जायसवाल (00) को एलबीडब्ल्यू कर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी।

राहुल-गिल के बीच 69 रनों की साझेदारी- इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल ने मिलकर भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की और दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। खतरनाक दिख रही इस जोड़ी को स्टॉर्क ने अपने दूसरे स्पैल की पहली गेंद पर केएल राहुल को आउट कर तोड़ा। राहुल ने 37 रन बनाए। विराट कोहली कुछ खास नहीं कर सके और केवल 7 रन बनाकर स्टॉर्क का तीसरा शिकार बने।

स्कॉट बोलैंड ने इसके बाद 81 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। गिल ने 31 रन बनाए। 87 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने रोहित शर्मा (03) को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। 109 के कुल स्कोर पर पंत पैट कमिंस का शिकार बने। पंत ने 21 रन बनाए। यहां से नीतीश रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन ने टीम का स्कोर 141 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर स्टॉर्क ने अश्विन को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। अशअविन ने 22 रन बनाए। स्टॉर्क ने इसके बाद इसी ओवर में हर्षित राणा (00) को बोल्ड कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

नीतीश ने खेली तेज पारी- राणा के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी ने अपने हाथ खोले और स्टॉर्क और बोलैंड को आड़े हाथों लिया। उन्होंने बोलैंड के एक ओवर में 2 छक्के सहित 21 रन कूट डाले। इसी बीच जसप्रीत बुमराह (00) को कमिंस ने पवेलियन भेज दिया। 180 के कुल स्कोर पर स्टॉर्क की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में नीतीश ट्रैविस हेड को कैच दे बैठे। नीतीश ने 42 रनों की शानदार पारी खेली, उन्होंने अपनी पारी में 3 छक्के लगाए।

वहीं, स्टॉर्क ने पारी में 6 विकेट लिए, भारत के खिलाफ उन्होंने पहली बार एक पारी में 6 विकेट हासिल किये।

स्टॉर्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने किये तीन बदलाव- बता दें कि भारतीय टीम ने इस मैच के लिए अपनी टीम में तीन बदलाव किये। देवदत्त पडिकल, ध्रुव जुरेल और वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने चोटिल जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया।

विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे ओलंपिक चैंपियन किन हैयांग

बीजिंग। ओलंपिक चैंपियन किन हैयांग और रजत पदक विजेता तांग क्विंटिंग 10 से 15 दिसम्बर तक होने वाली विश्व एक्वेटिक्स तैराकी चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाली चीन की 33 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 4x100 मीटर मेडले रिले के स्वर्ण पदक विजेता किन अपनी पसंदीदा ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जबकि महिलाओं की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और मिश्रित 4x100 मीटर मेडले रिले में दो रजत पदक जीतने वाली तांग कियान्टिंग 50 मीटर और 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में भाग लेंगी। 13 वर्षीय झोउ यानजुन और लू शिंगचेन 18 महिला तैराकों में सबसे कम उम्र की हैं, जबकि 16 वर्षीय चेन शेंगक्सिन और ली ताइयु पुरुष वर्ग में सबसे कम उम्र के हैं। बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप से अनुपस्थित रहने वाले उल्लेखनीय तैराकों में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के विश्व रिकार्ड धारक पान झानले और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झांग यूफेई शामिल हैं।

अंडर-19 एशिया कप: श्रीलंका को हराकर भारत फाइनल में, बांग्लादेश से होगी खिताबी भिड़ंत

शारजाह। भारत ने अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने शुक्रवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। भारत की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 67 रनों की शानदार पारी खेली। फाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। श्रीलंका ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.2 ओवर में 173 रन बनाए थे। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे ने तेज और अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 8.2 ओवर में 91 रन जोड़ दिये। इस दौरान वैभव ने केवल 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि 91 के ही कुल स्कोर पर विहास थेवमिका ने महात्रे को आउट कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। महात्रे ने 28 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए। इसके बाद वैभव और आंद्रे सिद्धार्थ टीम का स्कोर 14वें ओवर में 132 रन तक पहुंचाया। इसी ओवर में 148 के कुल स्कोर पर प्रवीण मनीषा ने वैभव को बोल्ड कर भारत को दूसरा झटका दिया। वैभव ने 36 गेंदों पर 6 चौके और 5 छक्कों की बदौलत 67 रन बनाए। 148 के

कुल स्कोर पर सिद्धार्थ 22 रन बनाकर विरन चमुदीथा का शिकार बने। यहां से कप्तान मोहम्मद अम्मान और केपी कार्तिकेय ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 7 विकेट से जीत दिला दी। अम्मान 25 और कार्तिकेय 11 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 21.4 ओवर में 175 रन बनाकर जीत हासिल की। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई टीम 46.2 ओवर में 173 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की तरफ से लकविन अबेसिंघे ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 69 रन बनाए। अबेसिंघे के अलावा शरुजन शनमुगनाथन ने 42 रन बनाए। भारत की ओर से चेतन शर्मा ने 3, किरन कोरमाले और आयुष महात्रे ने 2-2, हार्दिक राज और युद्धजीत गुहा ने 1-1 विकेट लिया।

शास्त्री के पसंदीदा क्रिकेटर हैं विश्वनाथ

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के कोच रहे रवि शास्त्री ने अपने पसंदीदा चार महान खिलाड़ियों का चयन किया है। इसमें एक भारतीय खिलाड़ी भी है। शास्त्री ने कहा कि उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी गुंडप्पा विश्वनाथ हैं। शास्त्री ने कहा कि, बचपन में मेरे हीरो विश्वनाथ ही थे। मैं उन्हें महानतम खिलाड़ियों की सूची में पहले नंबर पर रखता हूं। शास्त्री की इस सूची में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर गैरी सोबर्स हैं जबकि तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स और चौथे नंबर पर पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर इमरान खान का नाम शामिल है।

गुंडप्पा विश्वनाथ : विश्वनाथ सत्तर-अस्सी के दशक में एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। इस पूर्व दिग्गज ने 91 टेस्ट में 6080 रन बनाए हैं। विश्वनाथ ने 14 शतक और 35 अर्धशतक लगाये हैं।

गैरी सोबर्स: महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स ने टेस्ट में 8032 रन बनाए हैं जिसमें 26 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं 235 विकेट लेने में सफल रहे थे। विवियन रिचर्ड्स : आक्रामक बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स ने 121 टेस्ट में 8540 रन बनाए हैं। इस दिग्गज क्रिकेटर ने 24 शतक और 45 अर्धशतक बनाये हैं। एकदिवसीय में रिचर्ड्स के नाम 11 शतक हैं। इमरान खान : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान ने टेस्ट में 3807 रन जबकि एकदिवसीय में 3709 रन बनाए हैं, टेस्ट में इमरान ने 362 विकेट और एकदिवसीय में 182 विकेट लिए थे।

बीसीसीआई अभी तक नया बोर्ड सचिव नहीं तलाश पाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी तक जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन बनने के बाद खाली हुए जगह की तलाश अभी तक पूरी नहीं कर पाया है। बोर्ड सचिव पद को लेकर गुजरात के अनिल पटेल और बोर्ड के मौजूदा संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया का सबसे आगे चल रहा है। वहीं इसके अलावा डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली का नाम भी सामने आ रहा है। हालांकि बीसीसीआई से जुड़े राज्य संघों के अलावा अधिकारियों को भी ये पता नहीं कि उनकी जगह कौन लेगा। बीसीसीआई सचिव के पास 'क्रिकेट और गैर-क्रिकेट मामलों से संबंधित सभी शक्तियां' हैं यहां तक कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी उसे रिपोर्ट करते हैं। शाह को अगस्त में आईसीसी चेयरमैन के लिए चुना गया था और तब से ही बीसीसीआई के हितधारक बोर्ड में होने वाले बदलाव के बारे में सोच रहे हैं। बीसीसीआई के एक प्रशासक ने कहा, कि हमें अभी नहीं पता कि कौन सचिव बनेगा'' उन्होंने कहा, ''ऐसे मामले हैं, जिनसे हर दिन निपटना पड़ता है और जो कोई भी आता है, उसे बीसीसीआई के संचालन के बारे में जानकारी होनी चाहिए।'' गौरतलब है कि निर्वाचित पदाधिकारी के इस्तीफा देने के बाद से बोर्ड के पास विशेष आम बैठक (एजीएम) बुलाने और उसके

उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए 45 दिन का समय होता है। ऐस में बोर्ड के पास पद भरने के लिए जनवरी के मध्य तक का समय है। संविधान के अनुसार बीसीसीआई को चुनाव से कम से कम चार सप्ताह पहले एक निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति भी करनी होती है। राज्य इकाई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बोर्ड के पास बदलाव को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय है। इस अधिकारी ने कहा, '' अब तक इस मामले का निपटारा पूरा हो जाना चाहिए था। सचिव को अधिकांश दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने होते हैं। इस मामले को एजीएम (सितंबर में) में उठाया जाना चाहिए था, लेकिन उस समय किसी ने सवाल नहीं उठाया।'' राज्य इकाई के एक अन्य पदाधिकारी ने कहा कि अभी बीसीसीआई में अहम फैसले लेने का अधिकार रखने वाले की कमी है

व्यापार

मॉनिटरी पॉलिसी का ऐलान होते ही शेयर बाजार पर बना दबाव, सेंसेक्स व निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज ऑटो, बीपीसीएल, आईटीसी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन और आयशर मोटर्स के शेयर 2.05 प्रतिशत से लेकर 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर सिप्ला, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स और टीसीएस के शेयर 1.03 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक

मार्केट में 2,331 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,392 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 939 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 21 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 121.69 अंक की मजबूती के साथ 81,887.54 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद इस सूचकांक की चाल में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा। लेकिन सुबह 10 बजे के करीब बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में 81,529.33 अंक के स्तर तक गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 178.95 अंक की गिरावट के साथ 81,586.91 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 21.05 अंक की तेजी के साथ 24,729.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में ये सूचकांक भी सीमित दायरे में कारोबार करता रहा, लेकिन रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी का ऐलान होते ही बाजार में दबाव बन गया। बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में 24,625.25 अंक तक गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 59.05 अंक की कमजोरी के साथ 24,649.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 809.53 अंक यानी 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,887.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 240.95 अंक यानी 0.98 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,708.40 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

आरबीआई ने लगातार 11वीं बार रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा

आरबीआई ने जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.6 फीसदी किया

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने लगातार 11वीं बार नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। आपके लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्वामासिक समीक्षा बैठक के बाद फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि 4:2 के बहुमत से नीतिगत रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा गया है। दास ने कहा कि स्थायी जमा सुविधा एसडीएफ दर 6.25 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा एमएसएफ दर 6.75 फीसदी पर बनी हुई है। शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 7.2 फीसदी था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान 4.5 फीसदी से बढ़ा कर 4.8 फीसदी कर दिया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि एमपीसी ने सर्वसम्मति से इस तटस्थ नीति रुख को बनाए रखने पर अपनी सहमति व्यक्त की है, जो वर्तमान आर्थिक स्थितियों के प्रति सतर्क दृष्टिकोण का संकेत देता है। आरबीआई के छह सदस्यीय एमपीसी में तीन केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंजन हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर को मौद्रिक नीति समिति में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.6 फीसदी किया

आरबीआई ने पहले आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया था

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के पूर्वानुमान को घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने पहले आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। यह निर्णय इसलिए लिया गया, क्योंकि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में वास्तविक जीडीपी 5.4 फीसदी रही, जो अनुमान से बहुत कम है। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यहां मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि

जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.6 फीसदी करने का फैसला 4:2 के बहुमत से लिया गया है। उन्होंने बताया कि विकास दर घटने की वजह औद्योगिक वृद्धि दर में भारी गिरावट थी, जो पहली तिमाही में 7.4 फीसदी से घटकर दूसरी तिमाही में 2.1 फीसदी रह गई। उन्होंने बताया कि इसका कारण विनिर्माण कंपनियों का कमजोर प्रदर्शन, खनन गतिविधियों में कमी और बिजली की कम मांग थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि औद्योगिक गतिविधि सामान्य होने और पिछली तिमाही के निचले स्तर से उबरने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में जीडीपी दर के अनुमान को 7.4 फीसदी से घटाकर 6.8 फीसदी कर दिया है। चौथी तिमाही के लिए विकास दर के अनुमान को 7.4 फीसदी से घटाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के लिए विकास दर के अनुमान को 7.3 फीसदी से घटाकर 6.9 फीसदी कर दिया गया है। चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4 फीसदी रही है, जबकि अप्रैल-जून पहली तिमाही में जीडीपी 6.7 फीसदी थी।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन, आरबीआई ने खरीदा 27 टन सोना

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस साल अक्टूबर में दुनियाभर के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा है। इसके साथ ही देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन पहुंच गया है, जिसमें से 510 टन सोना देश में ही मौजूद है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 60 टन सोना खरीदा। रिजर्व बैंक ने सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा। इसके बाद तुर्किये का केंद्रीय बैंक 17 टन सोना के साथ भारत के आरबीआई के बाद दूसरे और पोलैंड 8 टन सोना के साथ तीसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत, तुर्किये और पोलैंड के केंद्रीय बैंकों की कुल वैश्विक स्वर्ण खरीदारी में 60 फीसदी हिस्सेदारी रही है। चीन का केंद्रीय बैंक सोना खरीदने के

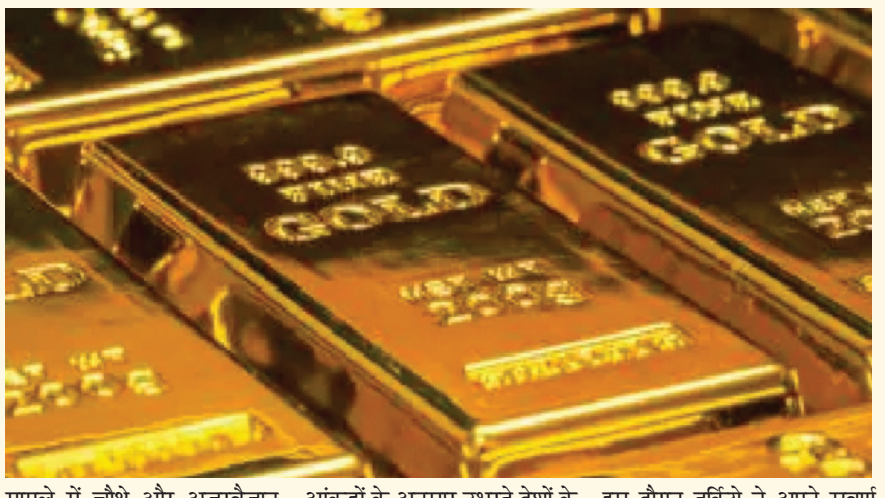

मामले में चौथे और अजरबैजान पांचवें स्थान पर रहा। कजाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने लगातार पांच महीने तक सोना बेचने के बाद अक्टूबर में पहली बार खरीदारी की। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की मासिक रिपोर्ट पर आधारित डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार उभरते देशों के केंद्रीय बैंकों ने सोना की खरीदारी में अपना दबदबा कायम रखा है। आरबीआई ने इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर तक कुल 77 टन सोना खरीदा है। ये पिछले साल की समान अवधि की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान तुर्किये ने अपने स्वर्ण भंडार में 72 टन और पोलैंड ने 62 टन सोने की बढ़ोतरी की है। वहीं, सिंगापुर समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने अक्टूबर में सोना बेचा है। इनमें जर्मनी, मंगोलिया, जॉर्डन, थाईलैंड और फिलीपीन भी शामिल हैं।

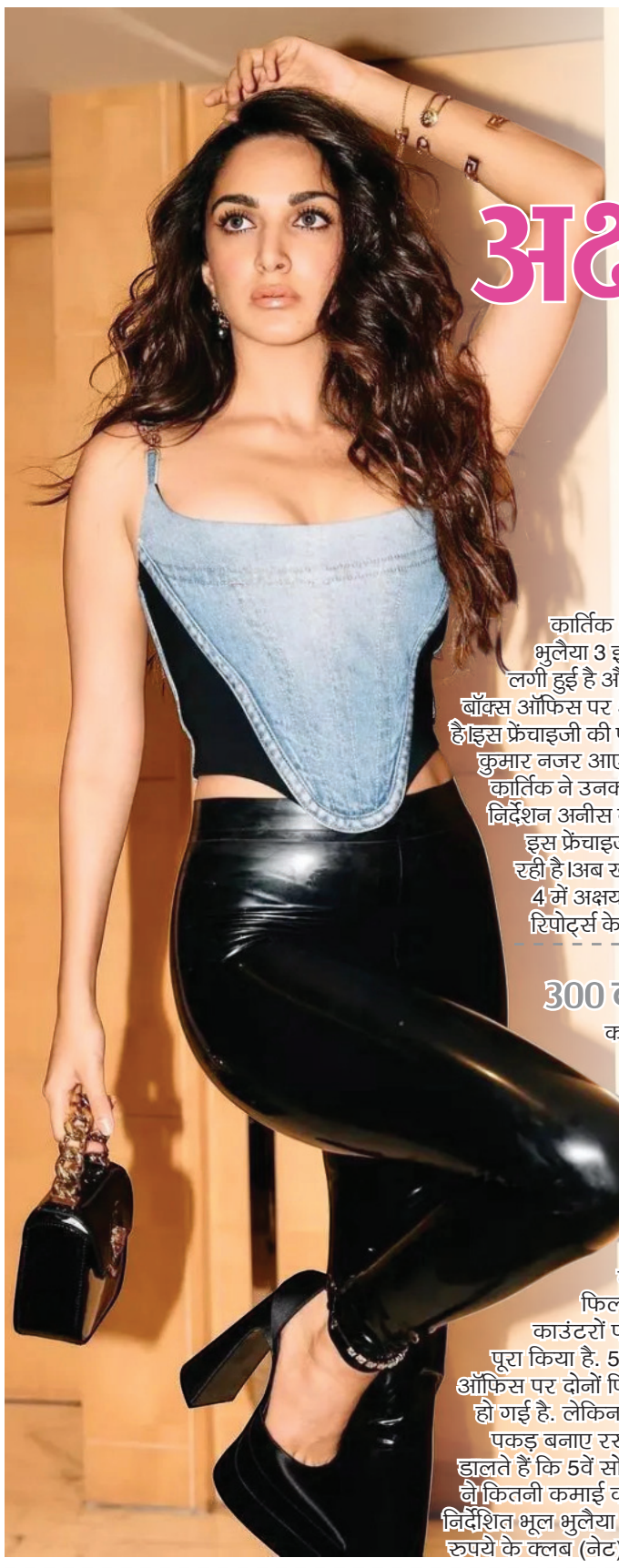

भूल भुलैया 4 में होगी अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की एंट्री?

भूषण कुमार ने बताया

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म में अक्षय कुमार नजर आए थे और दूसरे भाग में कार्तिक ने उनकी जगह ली।हाल ही में निर्देशन अनीस बज्मी ने बताया था कि इस फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त बन रही है।अब खबर है कि भूल भुलैया 4 में अक्षय की एंट्री हो सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भूल भुलैया

4 में अक्षय भी नजर आ सकते हैं। साथ ही दूसरी किस्त में नजर आईं कियारा आडवाणी भी चौथी किस्त की स्टार कास्ट में शामिल होंगी।निर्माता भूषण कुमार ने भी इसके कुछ संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, सबकुछ कहानी पर निर्भर करता है। सभी को एक साथ लाना तभी सार्थक होगा, जब कोई ठोस कहानी हो।भूषण ने अक्षय की मौजूदगी की संभावनाओं से इनकार भी नहीं किया। भूल भुलैया 3 में कार्तिक की जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। बता दें कि भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया का तीसरा भाग है। इस फिल्म का सीक्वल 2022 में आया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।

300 करोड़ी बनने की तैयारी में रूह बाबा, कार्तिक से इतने पीछे चल रहा बाजीराव सिंघम

कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 3 और रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स सिंघम अगेन 5वें मंडे टेस्ट में उतरी. 1 नवंबर 2024 को रिलीज होने वाली दोनों दिवाली एंटरटेनर फिल्मों ने हाल ही में टिकट काउंटरों पर अपना पहला महीना पूरा किया है. 5वें वीकेंड के बाद बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों की रफ्तार धीमी हो गई है. लेकिन फिर भी अपनी-अपनी पकड़ बनाए रखी है. आइए एक नजर डालते हैं कि 5वें सोमवार को किस फिल्म ने कितनी कमाई की है. अनीस बज्मी की निर्देशित भूल भुलैया 3 पहले ही 250 करोड़ रुपये के क्लब (नेट) में शामिल हो चुकी है.

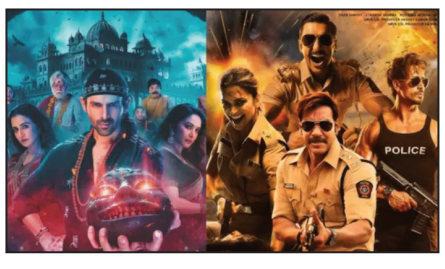

उतार-चढ़ाव के बीच कार्तिक की हॉरर-कॉमेडी ने दुनिया भर के टिकट काउंटरों पर अपना जादू बिखेरना जारी रखा है. भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर 31 दिनों में लगभग 277.78 करोड़ रुपये कमाए. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 5वें सोमवार को लगभग 70 लाख रुपये कमाए हैं. अब तक, कुल कलेक्शन 278.48 करोड़ रुपये हो गया है. दूसरी ओर, अजय देवगन की सिंघम अगेन हाल ही में दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है. 2024 की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म होने के बावजूद, रोहित शेट्टी की निर्देशित कॉप यूनिवर्स एक्शन फिल्म 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. रिपोर्ट के अनुसार, सिंघम अगेन ने 31 दिनों में लगभग 270.17 करोड़ रुपये (नेट) और वैश्विक स्तर पर 370.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. सैकनिल्क के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, अजय देवगन की फिल्म ने 5वें सोमवार (2 दिसंबर) को लगभग 35 लाख रुपये कमाए हैं, जिससे सिंघम अगेन का 32 दिनों का कुल कलेक्शन 270.52 करोड़ रुपये हो गया है. 5वें सोमवार का टेस्ट रिपोर्ट कार्ड काफी हद तक साफ है. कार्तिक की भूल भुलैया 3 5वें सोमवार को देवगन की सिंघम अगेन से लगभग 35 लाख रुपये से आगे रही है. अगर हम ओवरऑल रिपोर्ट पर नजर डालें तो कार्तिक आर्यन की फिल्म दिवाली 2024 के क्लैश में लगभग 7.5 से 8 करोड़ रुपये के अंतर से आगे चल रही है.

प्रतीक गांधी की फिल्म अग्नि का ट्रेलर जारी, 6 दिसंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

प्राइम वीडियो ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर अपनी अपकमिंग फिल्म अग्नि का दमदार ट्रेलर जारी किया. अग्नि फायरफाइटर्स की वो कहानी है, जो उनकी निर्भीक भावना, सम्मान और बलिदान को समर्पित है. राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता राहुल ढोलकिया द्वारा निर्देशित और लिखित ये फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है. फिल्म में प्रतीक गांधी और दिव्येंदु शर्मा अहम भूमिकाओं में हैं. दिव्येंदु शर्मा की ये फिल्म 'अग्नि' 6 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है. इसको लेकर फिम के निर्देशक राहुल ढोलकिया ने कहा कि, 'मुझे एक ऐसी कहानी जीवित करने का अवसर मिला है, जो ना केवल हमारे फायरफाइटर्स की बहादुरी का जश्न मनाती है, बल्कि उनके भावनात्मक यात्रा को भी दर्शाती है. फायरफाइटर्स असली हीरो होते हैं, जो केवल आग बुझाने का काम नहीं करते. वो जान भी बचाते हैं. आपदाओं का सामना करते हैं और अटूट समर्पण के साथ अनगिनत उच्च जोखिम वाली चुनौतियों का सामना करते हैं. वहीं प्रतीक गांधी ने कहा कि, मैं प्राइम वीडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ अग्नि के लिए फिर से जुड़ने के लिए बेहद आभारी हूं, ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो मेरे दिल के बेहद करीब है. ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है. ये हमारे समाज के गुमनाम नायकों-फायरफाइटर्स के साहस के लिए एक श्रद्धांजलि है. इसलिए ऐसे किरदार को चित्रित करना एक सम्मान की बात है. इनके अलावा दिव्येंदु शर्मा ने भी फिल्म को लेकर बात की और कहा कि, मिर्जापुर के साथ जिस अद्भुत यात्रा से मैं गुजरा हूं, उसके बाद अग्नि का प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होना मेरे लिए घर वापसी जैसा है, खासकर एक्सेल एंटरटेनमेंट में हमारे भरोसेमंद रचनात्मक मास्टरमाइंड के साथ. इसमें में एक पुलिसकर्मी का किरदार निभा रहा हूं, जो फायरफाइटर्स की दुनिया में गहराई से उतरता है और उन असली नायकों की कहानियों को प्रस्तुत करता है जो हमें बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं.

आलिया भट्ट करेंगी हॉरर फिल्म चामुंडा, स्त्री 2 के मेकर्स से चल रही बात

बॉलीवुड को 'स्त्री 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने वाले दिनेश विजान बहुत जल्द बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका करने वाले हैं. जल्द ही दिनेश एक नई सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म लेकर आ रहे हैं. जिसका नाम चामुंडा है. खबरें हैं कि दिनेश की इस फिल्म में श्रद्धा कपूर नहीं बल्कि आलिया भट्ट सबको डराने वाली हैं. रिपोर्ट के मुताबिक आलिया भट्ट इस वक्त दिनेश विजान की फिल्म 'चामुंडा' के लिए उनके चर्चा कर रही हैं. वहीं मेकर्स भी आलिया पर बड़ा दांव लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है. हाल ही में आलिया को कई बार मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में भी स्पॉट किया गया है. वहीं जानकारी के अनुसार आलिया को दिनेश विजान की ये सुपरनैचुरनल थ्रिलर फिल्म काफी पसंद आई है. एक्ट्रेस अगले साल फिल्म को साइन भी कर सकती हैं. जानकारी की अनुसार इस फिल्म में पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी नजर आने वाली थी. उस वक्त फिल्म का टाइटल देवी बताया जा रहा था.

लेकिन अब इसे बदलकर 'चामुंडा' कर दिया गया है. बता दें दिनेश विजान की 'स्त्री 2' ने हाल ही में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी. जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और तमन्ना भाटिया जैसे स्टार्स नजर आए थे. वहीं बात करें आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की तो एक्ट्रेस आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थी. जिसमें उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में थे. उन्होंने एक्ट्रेस के भाई का रोल निभाया था. वहीं इसके अलावा आलिया की पाइपलाइन में 'अल्फा' भी है. जिसमें वो शरवरी वाघ के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी. बता दें कि आलिया भट्ट अपने बिजी शेड्यूल के बीच फैमिली पर भी पूरी ध्यान दे रही हैं. हाल ही में वो अपने पति रणबीर कपूर और बेटी राहा कपूर के साथ मैच देखने स्टेडियम पहुंची थी. जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई हैं.

बॉसी लुक में करिश्मा तन्ना ने बरपाया कहर, कैमरे के सामने एक्ट्रेस ने दिए सिजलिंग पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना हमेशा अपनी खूबसूरती और फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशस मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से अक्सर सोशल मीडिया फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। करिश्मा तन्ना जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं करिश्मा तन्ना ने बेहद ही शानदार बेज लुक में कोट और शॉर्ट्स पहना हुआ है, एक्ट्रेस अपने इस लुक

में बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। खुले बालों को मैसी लुक देकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने नए-नए लुक्स में फोटोज पोस्ट करती रहती हैं।

Visual Katha Series on Enduring Communities of North Bihar Inaugurated In Delhi

Sagar Suraj

NEW DELHI : The Visual Kathä series, Portraits of Persistence: Enduring Communities of North Bihar, was inaugurated on thursday at the Art Gallery, India International Centre Annexe. The exhibition was formally opened by Sunita Narain, Director General of the Centre for Science and Environment, amidst an engaging gathering of art enthusiasts, social development professionals, environmentally sensitive people, and media professionals. In his introductory address, Eklavya Prasad, a social development professional and photographer, introduced the exhibition as a poignant visual journey, capturing untold stories of resilience among North Bihar's rural communities. The exhibition sheds light on their struggles and triumphs as they navigate the relentless cycle of annual flooding. Through a curated collection of evocative photographs, the series explores the varied typologies of floods in North Bihar. The gradual rise of river waters and their immediate impacts on daily life, including submerged homes, devastated farmlands, and disrupted infrastructure. The exhibition also delves into the enduring transformations wrought by these natural disasters, showcasing how they reshape livelihoods, alter societal structures, and leave lasting generational imprints. Amidst the challenges, the photographs highlight remarkable narratives of adaptation and survival. The exhibition celebrates innovative coping mechanisms and community-driven solutions, emphasizing the interplay between human ingenuity and the adversities posed by nature. Each frame narrates a story of strength, resourcefulness, and determination, showcasing the indomitable spirit of North Bihar's people as they adapt to the evolving challenges of floods. Eklavya Prasad also shared insights from his nearly two decades of work with Megh Pyne Abhiyan, a grassroots initiative focused on flood-prone regions in North Bihar. He explained that his experience prompted him to curate this exhibition with the hope that specific, contextual interventions will be conceptualized, designed, and implemented to improve the overall quality of life for flood-affected communities. While inaugurating the exhibition, Sunita Narain lauded the depth and impact of the visuals. She emphasized that the photographs go beyond documenting the immediate aftermath of floods to narrate the year-round, repeated impacts of these natural disasters. This exhibition vividly shows that the consequences of floods are not limited to the three months of the monsoon season. It reveals the sustained challenges communities face throughout the year," she remarked. Sunita Narain also underscored that the exhibition provides critical insights into how these issues are likely to intensify in the context of climate change, urging for more focused and sustainable interventions. The Visual Katha series is open to the public from December 6 to December 12, 2024, between 11:00 AM and 7:00 PM daily at the Art Gallery, India International Centre Annexe, New Delhi. Visitors are encouraged to experience this compelling visual narrative that shines a light on resilience, adaptation, and the ongoing challenges faced by flood-affected communities.

Farmers will march to Delhi demanding minimum support price

New Delhi: Farmers, who have been camping on the Shambhu border of Punjab and Haryana for the last 8 months, will start the Delhi Chalo march on Friday. This is likely to cause a terrible traffic jam in Delhi-NCR once again. Farmers will hold a protest march to Parliament to draw the attention of the central government on several demands including the minimum support price (MSP), which will start at 1 pm. Haryana Police has deployed heavy force to prevent farmers from entering Delhi. Several unions of Haryana including Bhartiya Kisan Union-Ekta, Kisan Mazdoor Morcha are participating in this protest march on the call of Samyukta Kisan Morcha. Farmer leader Sarwan Singh Pandher said that farmers will take out the protest march not by tractor but on foot and 100 farmers will join it from Shambhu border. He said that farmers have been sitting on the border for the last 8 months and they have been accused of modifying tractors, so they will go on foot. In view of the farmers' protest march, tight security has been put in place at all borders and barricades have been put up. In such a situation, the speed of vehicles coming and going here may slow down. If the farmers' march enters Delhi, then a severe traffic jam may be faced. A few days ago, due to the foot and tractor march of farmers of Noida, a long jam was caused at the Ghazipur border and a long queue of vehicles was seen. In view of the protest march, Ambala's Superintendent of Police and Inspector General of Police visited Shambhu Border on Thursday evening. Apart from police and paramilitary forces, drones, water cannons are deployed here and the border has been sealed. Ambala administration has implemented section 163, under which gathering of more than 5 people is prohibited. Government and private schools are closed here. Delhi Police said that farmers have not been allowed to march to Delhi. The farmers are demanding that apart from a legal guarantee for MSP, there should be farmer loan waiver, pension for farmers and farm laborers and no increase in electricity rates. Apart from this, they are demanding justice for the victims of the Lakhimpur Kheri violence of 2021 and restoration of the Land Acquisition Act, 2013. They are demanding compensation for the families of the farmers killed during the 2020-21 agitation and withdrawal of cases against the farmers.

TODAY'S BRIEF

3 members of banned organization arrested in Manipur

Imphal: Manipur Police has arrested three members of a banned organization from Imphal West district on charges of extortion and possession of illegal weapons. This information was given in an official statement on Friday. According to the statement, a joint team of police and Central Reserve Police Force arrested three members of the Kangleipak Communist Party (People's War Group) during a search operation in Phayeng area on Thursday. The team recovered a country-made pistol and ammunition from them. "They were involved in extortion activities," the statement said. During a search of their hideout in Kangchup, material for making illegal weapons was also recovered, the statement said. Nagaland police has destroyed drugs worth more than Rs 34 crore in Dimapur. An official said that the Narcotics Disposal Committee (NSC) destroyed the seized drugs at the 'dumping ground' of Dimapur Municipal Council on Thursday. The drugs destroyed include 'brown sugar' and heroin, crystal meth and opium. 'Methamphetamine' is also known as meth and it is a strong and highly addictive substance that affects the central nervous system.

Bundle of 500 rupee notes was found from seat number 222 in Rajya Sabha

New Delhi: A bundle of 500 rupee notes was found during checking in the Rajya Sabha on Friday. This information was given to the House by Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar. The Chairman said that after the adjournment of the House on Thursday, the anti-sabotage team was on routine checking in the House. During this time, the team doing the checking found a bundle of 500 rupee notes. The Chairman said that this bundle was found from seat number 222. According to the Chairman, this seat is allotted to Rajya Sabha MP Abhishek Manu Singhvi. According to the Chairman, no member has claimed these notes so far. An inquiry has been ordered in the matter. The Chairman said that this matter was brought to his notice, after which he ensured that the entire matter is investigated as per the set rules and the investigation has also started. The Chairman said that he had thought that someone would come to claim these notes, but no one came till Friday morning. It is not known yet whether these notes are real or fake. At present the matter is under investigation. The Chairman called it a very serious matter and said that no one should oppose the investigation of this matter. Along with this, the Chairman also said that the electronic records of the concerned member show that he had marked his presence in the House on Thursday. After the Chairman gave this information, there was a lot of uproar in the House. MPs from both the ruling and opposition parties wanted to speak on this topic. Leader of Opposition in Rajya Sabha Mallikarjun Kharge said that he has a request that until the investigation is completed, until the truth is revealed, no one's name should be taken. The ruling party strongly objected to this statement of Kharge and started creating an uproar. Speaking on behalf of the ruling party, Union Health Minister JP Nadda said that this incident is very extraordinary and serious. This is an attack on the dignity of the House. The ruling party said that the opposition raises its issues in the House on the basis of various allegations and many times does not even allow the proceedings of the House to continue. In such a situation, how can the opposition now adopt double standards. He said that everyone should condemn this matter. Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju said that today when we are moving towards Digital India, then what is the use of a bundle of notes inside the House. He said that we do not carry notes like this. Supporting the investigation, he said that investigation is needed, this is a very serious matter.

Congress President Kharge's action before UP assembly elections

New Delhi: Assembly elections are to be held in Uttar Pradesh in 2027. Even before this, Congress President Mallikarjun Kharge is seen in action. In fact, Congress President Kharge announced the dissolution of all the units of Uttar Pradesh Congress late on Thursday night. Which also includes district city and block committees. After Kharge's announcement, all these units have been dissolved with immediate effect. Congress National General Secretary KC Venugopal gave information about this. It is being told that in view of the assembly elections to be held in 2027, all the committees of UP Congress have been dissolved and now the Congress high command will form the organization afresh. Congress state president Ajay Rai gave information about this. He said that in view of the 2027 assembly elections, the organization has to be set up in a new way in the state. Rai said that the central committee has taken this decision on his request.

According to Ajay Rai, this was needed to set up the organization afresh in the state. However, it is also being said that the high command was also getting information about the infighting in the party. According to which, there are many faces who have been stuck in their posts for the last several years. In such a situation, an attempt will be made to strengthen the party at the booth level by including new faces in their place. According to Congress spokesperson Anshu Awasthi, in view of the reconstruction of the organization and the 2027 assembly elections, National President Mallikarjun Kharge has decided to dissolve the organization of the state leadership. Along with this, accepting the proposal to bring a new executive, the current state committee, district-city committee and block committee have been dissolved. Along with this, till the new party committee comes, the organization has 46 cells/departments, their chairmen will continue to work as caretakers in their posts. It is believed that in the upcoming assembly elections, Congress will enter the electoral fray with full strength and a new strategy and will go among the people. He told that the people of the state are hopeful about the Congress, for this the reconstruction of the organization was necessary. Keeping this in mind, all the committees of the state Congress have been dissolved.

Will the children get the benefit of reservation after the divorce of a non-Dalit woman and a Dalit man?

New Delhi: The Supreme Court has given an important decision. The Supreme Court has given a big decision on Thursday using its special powers under Article 142 of the Constitution. The Supreme Court annulled the marriage of a Dalit man and a non-Dalit woman. After this, the court ordered that the father can get a caste certificate for his children who have been living with their mother for the last six years. A two-member bench of Justice Suryakant and Ujjwal Bhuiyan granted divorce to Juhi Poria and Pradeep Poria. After this, they said that a non-Dalit woman cannot join the Scheduled Caste through marriage. However, their children born to a Dalit man will get Scheduled Caste status. The court reiterated its 2018 order saying that caste is decided on the basis of birth and caste cannot be changed by marriage. If the woman's husband is SC, then the woman cannot be given an SC certificate. The court gave them the right to get SC caste certificate for their 11 year old son and 6 year old daughter. The court said that even after the divorce of the parents, the children can get the benefits of government education and employment under the Scheduled Caste. The court ordered the parents to get caste certificates made for the children within six months. The court also ordered the husband to bear all the expenses for the education of the children (up to PG). Apart from this, the court ordered that the plot in Raipur which is in the name of the husband should also be handed over to the wife. In August, the court had ordered the husband to buy a two-wheeler for his wife. Let us tell you, the husband has given a lump sum of Rs 42 lakh for the maintenance of his wife and children.

House adjourned in 43 seconds

New Delhi: Lok Sabha Speaker Om Birla on Friday adjourned the proceedings of the Lok Sabha in just 43 seconds due to uproar by opposition parties. He especially stressed that no matter what happens, I will not let the dignity of the House fall. He asked the opposition MPs in a questioning tone, this is Question Hour, do you not want the House to function? You do not want the Question Hour to function? He said, the House will run with the tradition of dignity and high standards. I will neither let the dignity fall nor let the decorum be diminished inside the House. He said, I request you all to cooperate during the Question Hour. After this, the Lok Sabha Speaker adjourned the House for an hour. It is noteworthy that since November 25, there has been continuous uproar in the House by the opposition parties. After the proceedings of the Lok Sabha began, Speaker Om Birla had just come and taken his seat when the opposition MPs started creating a ruckus. The ruckus by Congress leaders continued in the House in the presence of Congress leader Rahul Gandhi. Opposition MPs raised many issues in the Lok Sabha. These mainly included the Sambhal violence. On the occasion of Baba Saheb Bhim Rao Ambedkar's death anniversary, opposition leaders including Congress leader Priyanka Gandhi Vadra arrived with the Constitution book and also raised slogans of Jai Samvidhaan. Congress MP Gaurav Gogai said, the government should understand that the issues of farmers are serious. The government should prepare a solution for the farmers.

Many political personalities paid tribute to Baba Saheb Ambedkar

Bhubaneswar: Many political personalities including President Draupadi Murmu paid tribute to Babasaheb Bhimrao Ambedkar on his 69th death anniversary. President Draupadi Murmu visited AG Square in Bhubaneswar and paid floral tribute to the statue of Baba Saheb Bhimrao Ambedkar. After this she left for the airport.At the same time, President Murmu has also planned to visit her home district Mayurbhanj. Vice-President Jagdeep Dhankhar also paid tribute to Baba Saheb Ambedkar. In his post on social media handle, he said, "My humble tribute to Dr. B.R. Ambedkar. On Mahaparinirvan Diwas, Ambedkar - the architect of our Constitution, a statesman and a visionary who tirelessly fought against social inequalities. His profound commitment to justice, equality and human dignity continues to inspire all. Let us reaffirm our commitment to uphold his ideals and work relentlessly towards a more inclusive India." Lok Sabha Speaker Om Birla also remembered Baba Saheb Ambedkar and posted on his X handle saying, I pay tribute to the nation builder, guardian of social justice and Bharat Ratna Baba Saheb Dr. Bhimrao Ambedkar on his Mahaparinirvan Day. His dream of an egalitarian society, his invaluable teachings and incomparable contribution in the making of the Constitution will always inspire us. The Congress party also remembered Baba Saheb Ambedkar. On behalf of the party, it wrote on its official X handle, "Many salutes to the father of the Indian Constitution and a symbol of social justice, Baba Saheb Dr. Bhimrao Ambedkar on his death anniversary. His ideals and thoughts will continue to inspire us to move forward on the path of justice for ages to come." Union Defence Minister Rajnath Singh also paid tribute to Baba Saheb Ambedkar by posting on his X handle. He said, Remembering Baba Saheb Ambedkar on Mahaparinirvan Diwas, his thoughts and vision continue to inspire India. The nation will remain indebted to him for his immense contribution. My tribute to him on his death anniversary.

Air quality in Delhi improves

New Delhi: There is a relief news for the people of Delhi who have been facing air pollution for the last one month. Due to continuous winds, the air quality in Delhi is improving. According to the Central Pollution Control Board (CPCB), till 7 am on Friday, the overall air quality index (AQI) in Delhi was recorded at 183, which falls in the moderate category. Earlier it was in the very poor and severe category. Pollution has been affected due to the weather. According to the CPCB, at 7 am, the AQI was 183 near Chandni Chowk, 183 at ITO, 168 at Okhla Phase-2, 159 at Jawaharlal Nehru Stadium, 195 at Patparganj, 115 at Ayanagar, 124 at Lodhi Road, 137 at Airport Terminal-3 and 212 at Punjabi Bagh, which are in the moderate category. However, the AQI was 246 at Anand Vihar, 208 at Wazirpur, 204 at RK Puram, 217 at Rohini and 244 at Mundka, which are in the poor category. Seeing the improvement in the air quality of Delhi, the Supreme Court on Thursday approved the removal of the fourth phase of the Graded Response Action Plan (GRAP) during the hearing.